RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः279, रविवार, 19 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जनसुराज पर बिहार के लोगों का भरोसा अटलः डॉ अतुल कुमार 03

बिहार विधानसभा चुनावः महागठबंधन में नौ सीटों पर 'फ्रेंडली फाइट' 04

मौनी रॉय का अनस्टॉपेबल 2025 जारी एक्ट्रेस ने अपनी नई ओटीटी रिलीज की... 07

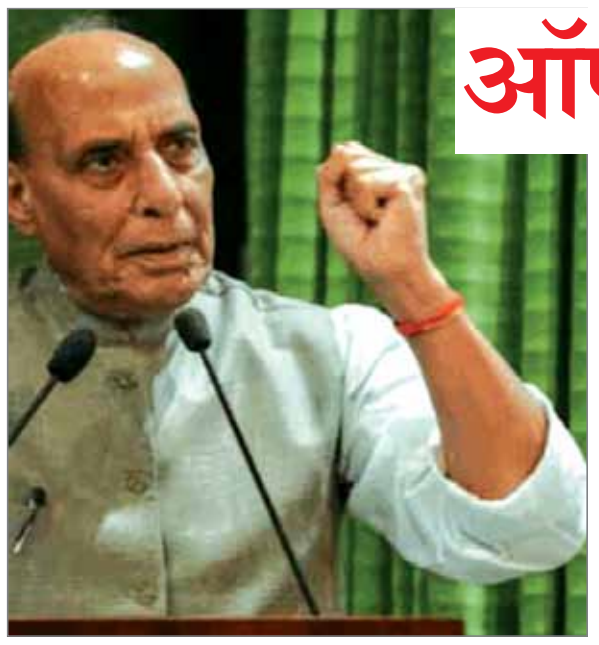

ऑपरेशन सिंदूर में जो हुआ, वह सिर्फ एक ट्रेलर था

● बोले राजनाथ सिंह,लखनऊ से रवाना की मिसाइल की पहली खेप ● कहा-अब पाक की एक-एक इंच जमीन 'ब्रह्मोस' की पहुंच में है

लखनऊ (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्रोडक्शन यूनिट में ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कभी गुंडा राज और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के लिए जाना जाता था। लोग डर के साये में जीते थे। निवेशक यहां आने से कतराते थे लेकिन आज का उत्तर प्रदेश हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बदल गया है। जिस तरह से उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था को संभाला है, वह अपने आप में अनुकरणीय है। मंच पर सीएम योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में राजनाथ सिंह ने कहा कि यह न केवल ब्रह्मोस और हमारे सशस्त्र बलों की शक्ति का प्रतीक है, बल्कि यह संदेश भी है कि उत्तर प्रदेश किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। मैं इस सुविधा (ब्रह्मोस लखनऊ इकाई) की स्थापना में योगी आदित्यनाथ के पूरे दिल से दिए गए सहयोग की प्रशंसा नहीं कर सकता। मुझे कभी किसी चीज की कमी की चिंता नहीं करनी पड़ी। इस दौरान पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर तो सिर्फ ट्रेलर था। पाकिस्तान की पूरी जमीन ब्रह्मोस की रेंज में है। अब जीत भारत के लिए कोई घटना नहीं बल्कि आदत बन चुकी है जिसे हमें और मजबूत बनाना है।

11 मई से शुरू हुआ था ब्रह्मोस मिसाइल बनाने का काम

आपको बता दें कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल बनाने का काम लखनऊ यूनिट में पूरी तरह गत मई में शुरू होने के पांच महीने में ही इस यूनिट ने ब्रह्मोस मिसाइल का पहला बैच तैयार कर लिया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की स्वदेशी ब्रह्मोस न पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को चौंकाते हुए बड़े सटीक निशाने लगाए थे। वहीं, लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस सेंटर' में तो इस मिसाइल के निर्माण का काम गत 11 मई को शुरू हुआ, लेकिन देश के अन्य स्थानों पर यह पहले से ही बन रही है।

उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के लिए उपलब्धि

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह न केवल उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (यूपीडीआईसी) के लिए एक उपलब्धि है, बल्कि इससे रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प को एक नई ऊर्जा भी मिलेगी। बयान में कहा गया है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ के सरोजिनी नगर में स्थित अपने नए केंद्र में मिसाइल प्रणाली के पहले समूह का सफल उत्पादन किया।

आलीशान जिंदगी जीने वाले डीआईजी का हाल बेहाल!

● जमीन पर गद्दा लगाकर गुजारी रात, इधर सीबीआई ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिश्वत लेते फंसे पंजाब पुलिस के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की पहली रात चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल में मुश्किल से कटी। जेल में उन्हें बूढ़ा बैरक में रखा गया है। यह वह बैरक है जहां 50 साल की उम्र वाले और अच्छे आचरण वाले बंदी व कैदियों को ही रखा जाता है। भुल्लर की पहली रात बेचैनी में ही बीती। उन्हें सोने के लिए जमीन पर गद्दा लगाकर दिया गया और एक तकिया मिला। इसी बैरक में हिमाचल प्रदेश के आईजी रहे जाहूर जैदी और कोर्ट में अपने दामाद की गोलियां मारकर हत्या करने वाले पंजाब के पूर्व एआईजी मालविंदर सिंह सिद्धू भी बंद हैं। डीआईजी भुल्लर के साथ पकड़े गए उनके बिचोलिए कृष्णु को अलग बैरक में रखा गया है। डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर ने काली कमाई को सोफे और क्रॉकरी की अलमारी में छिपा रखा था। भुल्लर की चंडीगढ़ के सेक्टर-40 वाली कोठी से सीबीआई को 7.5 करोड़ कैश मिला। सामान की 2 आलमारियों में सोना छिपाकर रखा था। महंगी शराब का जखीरा लुधियाना के समराला में स्थित फार्म हाउस से मिला है। यहां से शराब की 108 बोतलें बरामद हुई हैं। चंडीगढ़ सीबीआई कोर्ट में पेश होने के दौरान डीआईजी ने कहा था कि सभी आरोप झूठे हैं, जिन्हें वह अदालत में साबित करेंगे। कोर्ट इंसाफ करेगा।

बाजार का रिजल्ट देखकर गदगद नजर आ रही है सरकार

● जीसएटी 2.0 के रिजल्ट से मोदी सरकार की बल्ले-बल्ले

अश्विनी वैष्णव बोले-इस साल 20 लाख करोड़ की अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक खपत की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी सुधार के बाद के आंकड़ों को देख सरकार गदगद नजर आ रही है। इस बारे में शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इन्होंने इस साल के त्योहारी सीजन के दौरान आर्थिक गति को बढ़ाने में जीएसटी की दरों में बदलाव को एक बड़ी वजह बताया। इन मंत्रियों ने कहा कि 22 सितंबर से लागू हुए जीएसटी सुधारों से ग्राहकों की मांग बढ़ी है। साथ ही कई चीजों की कीमतें कम हुई हैं और ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान) जैसे प्रमुख क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से तेजी आई है। इस दौरान वित्त मंत्री ने कहा,जीएसटी सुधार नवरात्रि के पहले दिन लॉन्च हुए थे, मुझे

लगता है कि भारत के लोगों ने इसे अच्छी तरह से स्वीकार किया है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने 54 आवश्यक वस्तुओं की बारीकी से निगरानी की है और पाया है कि लाभ लोगों को मिला है।

लंबे समय से चल रहे थे सुधार, रिकॉर्ड बिक्री

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ये सुधार लंबे समय से चल रहे थे। उन्होंने कहा, वित्त मंत्री द्वारा 3 सितंबर को जीएसटी सुधार की घोषणा लगभग सवा साल से प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में चल रही थी। मैं प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को इस साल की नवरात्रि को इतना खास बनाने के लिए धन्यवाद देता हूं। 22 सितंबर को जीएसटी का नया रूप लागू किया गया। बाजारों में, उद्योग और व्यापार जगत में, और आम जनता में, सभी ने उत्साह और ऊर्जा की एक नई भावना का अनुभव किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बुनियादी ढांचे में निवेश और सामर्थ्य के दोहरे प्रयास से कई गुना लाभ मिल रहा है। यही कारण है कि भारत विश्व स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। आईएमएफ ने हमारे जीडीपी वृद्धि पूर्वानुमान को 6.6 प्रतिशत तक संशोधित किया है।

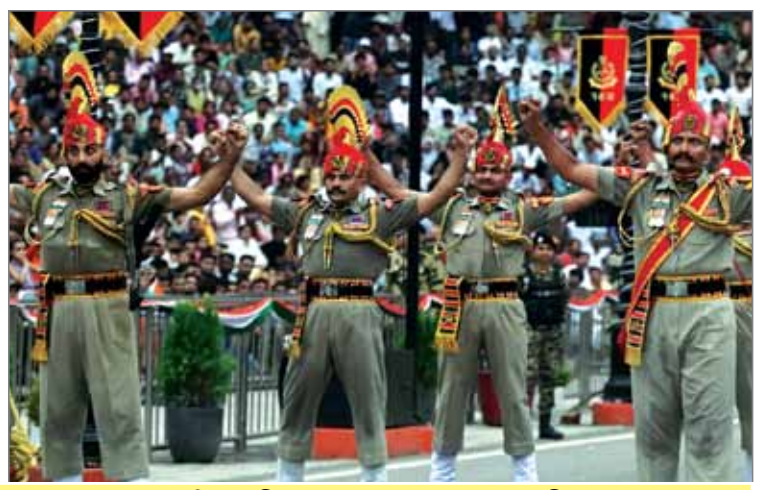

वाघा बॉर्डर पर रिट्रीट का समय भी बदल दिया गया

ना खुलेंगे भारत और पाक के गेट, ना मिलेंगे हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा अटारी बॉर्डर पर होने वाला रिट्रीट सेरेमनी का समय बदल दिया गया है। अब सर्दियों के चलते यह आधा घंटा पहले शुरू होगा। बीएसएफ के प्रोटोकॉल अधिकारी अरुण महल ने बताया कि अब यह समारोह शाम 5 बजे से 5.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। पहले इसका समय शाम 5.30 बजे से 6 बजे तक था। नया समय तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सुरक्षा कारणों के चलते अब भारत-पाक सीमा गेट बंद रहेंगे और इस दौरान दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच कोई पारंपरिक अभिवादन या रस्में नहीं होंगी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर छह व सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत आतंकी ठिकानों को तबाह किया। इसके बाद 7 मई से रिट्रीट सेरेमनी पर सात मई को विराम लगा दिया था। भारत-पाकिस्तान के बीच 10 दिन के युद्धविराम के बाद सीमा सुरक्षा बल ने 20 मई को पंजाब के अटारी-वाघा, हुसैनीवाला और फाजिल्का सीमाओं पर छोटे स्तर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह फिर से शुरू किया था। अटारी, हुसैनीवाला और सादकी बॉर्डर पर रोजाना समारोह जारी है, चाहे पाकिस्तानी पक्ष शामिल हो या नहीं। बीटिंग रिट्रीट अमृतसर के पास दोनों देशों की सीमा पर साल 1959 से हो रही है, जिसमें राष्ट्रीय झंडे उतारने की प्रक्रिया शामिल होती है।

लेह हिंसा की न्यायिक जांच कराएगा गृह मंत्रालय

रिटायर्ड जस्टिस बीएस चौहान को सौंपी जिम्मेदारी

● 24 सितंबर को हिंसा में चार लोगों की जान गई थी

लेह (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को लेह में 24 सितंबर के हुई हिंसा की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस बीएस चौहान को निष्पक्ष जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जांच समिति पुलिस कार्रवाई और चार लोगों की मौत के कारणों का पता लगाएगी। दरअसल, 24 सितंबर को लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस ने राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग

को लेकर प्रदर्शन किया था। इस दौरान सुरक्षाबलों और प्रदर्शन कारियों के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें चार लोग मारे गए और 90 घायल हुए। दो दिन बाद 26 सितंबर को पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया था और जोधपुर जेल भेज दिया गया था।

वांगचुक की रिहाई के लिए उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो ने 2 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। जस्टिस चौहान के साथ इस जांच समिति में मोहन सिंह परिहार (रिटायर्ड डिस्ट्रिक्ट जज) और तुषार आनंद शामिल हैं। लद्दाख के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को जांच में पूरी तरह सहयोग देने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने कहा कि वह हमेशा बातचीत के लिए तैयार है और लेह एपेक्स बॉडी तथा कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ उच्च स्तरीय समिति के जरिए चर्चा जारी रखेगी।

लुधियाना से दिल्ली जा रही ट्रेन में लगी भीषण आग

जान बचाने के लिए कूदकर भागे यात्री, बड़ी दुर्घटना टली

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लुधियाना से दिल्ली जा रही गरीबरथ ट्रेन की एक बोगी में अचानक आग लग गई। हादसा बोगी नंबर 19 में हुआ, जिसमें कई यात्री सवार थे। आग लगने से यात्रियों में अफरातफरी मच गई और जान बचाने के लिए लोग बाहर कूदने लगे। इस दौरान कई यात्री चोटिल हो गए। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं, जिन्होंने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। एक घंटे में आग पर काबू पा लिया गया और ट्रेन रवाना कर दी गई है। ट्रेन ने सुबह 7 बजे सरहिंद स्टेशन पार किया। इसी दौरान एक यात्री को ट्रेन की एसी बोगी नंबर 19 से धुआं उठता दिखा। उसने तुरंत शोर

मचाते हुए चेन खींच दी। धुएं के साथ आग की लपटें भी उठने लगीं तो अफरातफरी मच गई। इसी दौरान कई यात्री बोगी से उतरने लगे। इसमें कुछ यात्री चोटिल भी हो गए। टीटीई और ट्रेन के पायलट मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना रेलवे कंट्रोल को दी। रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया कि शनिवार सुबह साढ़े 7 बजे पंजाब के सरहिंद स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12204 अमृतसर-सहरसा के एक डिब्बे में आग लग गई। घटना का पता चलते ही रेलवे अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए यात्रियों को दूसरे डिब्बों में भेज दिया और आग भी जल्दी बुझा दी गई। कोई हताहत नहीं हुआ। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है।

दिल्ली में सांसदों के लिए बने अपार्टमेंट में लगी आग

● यहां कई एमपी और उनके स्टाफ के लोगों के हैं फ्लैट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वीआईपी रोड पर मौजूद सांसदों के लिए बने कावेरी अपार्टमेंट में शनिवार दोपहर आग लग गई। यहां पर कई सांसदों और उनके स्टाफ के घर (फ्लैट) हैं। लोगों का आरोप है कि फायर बिग्रेड को घटना की जानकारी देने के बाद भी टीम ने मौके पर आने में देरी की। 4 मंजिल तक के फ्लैट में आग लगने की खबर है। वहीं, घटना पर दिल्ली फायर सर्विसेज के अधिकारियों ने बताया कि दोपहर करीब 1.22 बजे आग लगने की सूचना मिली थी।

आजादी के 78 साल बाद बदल गई है पूरी तस्वीर

अब भारतीय वायुसेना के ट्रेनर देंगे ब्रिटिश पायलटों को ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ब्रिटेन के बीच रक्षा सहयोग के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। जिस देश ने कभी भारत में 'रॉयल इंडियन एयर फोर्स' की नींव रखी थी, अब उसी ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स के फाइटर पायलटों को भारतीय वायुसेना के अनुभवी प्रशिक्षक ट्रेनिंग देंगे। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय वायुसेना के दो

शीर्ष फाइटर पायलट प्रशिक्षक जल्द ही ब्रिटेन के आरएएफ वैली एयरबेस में तैनात होंगे, जो वेल्स के उत्तर-पश्चिम तट पर एंगल्सी द्वीप पर स्थित है। यहां वे ब्रिटिश एयरफोर्स के पायलट कैडेट्स को एडवांस्ड जेट ट्रेनर विमान पर ट्रेनिंग देंगे। यह वही विमान है जिस पर ब्रिटेन के अगली पीढ़ी के फाइटर पायलट टाइफून और एफ-35 जैसे फ्रंटलाइन जेट्स की तैयारी करते हैं। रॉयल एयर फोर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह पहल दोनों देशों ने की है।

● भारत दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायुसेना-'वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट' की रैंकिंग के मुताबिक, अमेरिका और रूस के बाद भारतीय वायुसेना दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायुसेना है। ब्रिटेन इस सूची में आठवें स्थान पर है। आरएएफ अधिकारी के अनुसार, भारतीय ट्रेनरों की भागीदारी से आरएएफ को न केवल सामरिक लाभ मिलेगा, बल्कि दोनों देशों के बीच तकनीकी और टैक्टिकल ज्ञान का आदान-प्रदान भी बढ़ेगा। अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षकों और कैडेट्स के बीच बातचीत से उड़ान तकनीकों और प्रक्रियाओं का साझा अनुभव विकसित होगा, जो भविष्य की संयुक्त अभियानों में सहायक सिद्ध होगा।

अमित शाह से मिले चिराग एनडीए की जीत का किया दावा

बोले-एलजेपी का लक्ष्य 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इन दिनों बिहार के दौरे पर हैं। शनिवार को उनसे लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने मुलाकात की और चुनावी रणनीतियों पर चर्चा की। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर इस मुलाकात को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुलाकात के बाद लोजपा (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने एनडीए की जीत का दावा किया। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी का लक्ष्य इस चुनाव में भी 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट से चुनाव जीतना होगा।

संक्षिप्त समाचार

बेटे ने पिता पर लगाया मां की हत्या का आरोप, बस के पैसों को लेकर हुआ था विवाद

हाजीपुर। हाजीपुर में घरेलू विवाद को लेकर पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना बराटी थाना क्षेत्र के बहुआरा की है। मृतका की पहचान स्थानीय त्रिवेणी मलिक की पत्नी इंदू देवी(50) के रूप में हुई है। शनिवार की सुबह परिजन ने कमरे में महिला का शव देखा। इसके बाद बराटी थाना अध्यक्ष पप्पू कुमार को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। परिजन ने बताया कि बीती रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। मृतका के बेटे दीपू कुमार ने बताया कि एक दिन पहले भी बस की बिक्री के पैसों को लेकर उनके माता-पिता के बीच विवाद हुआ था। पिता ने मां को जान से मारने की धमकी भी दी थी। दीपू के अनुसार, बीती रात करीब 12 बजे तक उनकी मां काम कर रही थी। सुबह करीब 4 बजे जब दीपू अपनी मां को जगाने गए, तो उन्होंने मां का शव बिस्तर पर पाया। दीपू ने आरोप लगाया कि उनके पिता ने ही मां की गला दबाकर हत्या की है। मां के गले पर कई जगह निशान थे और पिता की चेन भी टूटी हुई थी। इस मामले में बराटी थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

लुंगी से गला दबाकर महिला की हत्या, खेत में शौच जाने को लेकर विवाद, पति ने आरोपी को पकड़ा

हाजीपुर। वैशाली में बुजुर्ग महिला की दबंग ने गला दबाकर हत्या कर दी। शनिवार की सुबह महिला घर के पास वाले जमीन में शौच के लिए गई थी। इसी से नाराज होकर जमीन मालिक ने अपनी पहनी हुई लुंगी खोलकर महिला के गले में बांध दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पीड़ित के पति और स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के मथुरा गांव की है। मृतका की पहचान हरेंद्र राम की पत्नी रजिया देवी (50) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के पोते पियूष और प्रिंस ने बताया कि उनकी दादी घर से मात्र 100 मीटर की दूरी पर शौच के लिए गई थी। इसी दौरान जमीन मालिक हरिचरण सिंह ने उन पर हमला कर दिया और उनका गला दबाकर हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि हरेंद्र राम मजदूरी करके अपना गुजर-बसर करते हैं। उनके तीन बेटे और तीन बेटियां हैं, सभी की शादी हो चुकी है। वहीं, आरोपी हरिचरण सिंह खेती-बाड़ी का काम करता है और उसके चार लड़के हैं, जिनमें से तीन सरकारी नौकरी में हैं और एक प्राइवेट नौकरी करता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी पहले ही गांव वालों को अपने खेत में शौच के लिए जाने से मना कर चुका था। लेकिन इमरजेंसी मे महिला चली गई थी । उसने अपने खेत में केले की खेती की हुई है। माना जा रहा है कि इसी विवाद के चलते उसने यह हरकत की। बिदुपुर थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंची और जांच-पड़ताल में जुट गई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

हाजीपुर मंडल कारा में बंद कैदी की मौत, शराब बेचने के आरोप में हुआ था गिरफ्तार

हाजीपुर। हाजीपुर में स्थानीय मंडल कारा में शराब बेचने के आरोप में बंद एक कैदी की सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान कटहरा थाना क्षेत्र के मझिया गांव निवासी बसु पासवान का बेटा रविंद्र पासवान (39) के रूप में हुई है। रविंद्र पासवान को बीते 15 अक्टूबर को शराब बेचने के मामले में गिरफ्तार किया था। इससे पहले, 31 अगस्त को देसी शराब के साथ एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के दौरान रविंद्र फरार हो गया था, जिसके बाद उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। जेल में रविंद्र की तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उसे जेल अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार दोपहर अचानक उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। जेल प्रशासन ने आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस संबंध में जेल अधीक्षक रूपक कुमार ने बताया कि रविंद्र पासवान को 15 अक्टूबर को शराब के मामले में जेल भेजा गया था। तबीयत खराब होने पर उसे जेल के अस्पताल में इलाज दिया जा रहा था। शुक्रवार दोपहर 12 बजे गिनती के समय वह ठीक था, लेकिन बाद में तबीयत बिगड़ने पर उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक रविंद्र पासवान के परिवार में तीन पुत्रियां और एक बेटा हैं। घटना की सूचना मिलने पर परिजन सदर अस्पताल पहुंचे।

त्योहार को लेकर नया ट्रैफिक प्लान लागू, शहर में भारी वाहनों की नो एंट्री

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर शहर में दीपावली और छठ पर्व को लेकर विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ती भीड़ और जाम की समस्या से राहत देने के लिए इस बार कई रूटों में बदलाव किया गया है। ट्रैफिक डीएसपी महेश चौधरी ने बताया कि शहर के पुराने वन-वे नियमों को इस बार भी लागू रखा गया है, जबकि कुछ मार्गों में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए शहर में ट्रैफिक पुलिस के साथ अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। धनतेरस के दिन यानी शनिवार को शहर में किसी भी भारी वाहन को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। रामदयालु रोड, बैरिया, लक्ष्मी चौक, जीरोमाइल, नारायणपुर अनंत, जेल चौक और खादी भंडार रोड की ओर से आने वाले सभी मालवाहक वाहनों को रात 1 बजे तक शहर में घुसने से रोक दिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि यह व्यवस्था दीपावली और छठ तक जारी रहेगी ताकि खरीदारी और पूजा के दिनों में ट्रैफिक जाम की स्थिति न बने। भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए कई मार्गों को वन-वे घोषित किया गया है। सरैयागंज टावर से बाबा गरीबनाथ मंदिर होते हुए सोनारपट्टी तक जाने वाली सड़क को वन-वे बनाया गया है। केदारनाथ रोड से कल्याणी चौक जाने वाले वाहन अब मोतीझील की ओर जा सकेंगे, लेकिन जवाहरलाल रोड से प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा (आवश्यक सेवाओं को छोड़कर)। फ्लाइट होटल मोड़ से टावर की ओर जाने वाली गाड़ियां सूतापट्टी मुख्य बाजार होकर मस्जिद मोड़ के रास्ते सरैयागंज टावर मेन रोड से बाहर निकलेंगी। मस्जिद चौक से सूतापट्टी/बैंक रोड की ओर किसी सवारी वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी।

प्रशांत किशोर बोले- 2025 के चुनाव में मेन मुकाबला एनडीए और जनसुराज के बीच

एजेंसी, पटना

महागठबंधन में पहले ही सीट शेयरिंग को लेकर तनाव है। अब कांग्रेस की कलह भी खुलकर सामने आ गई है। टिकट कटने से नाराज गुट ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, महागठबंधन टूटने वाला है। नाराज नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रभारी कृष्णा अल्लावरू पर टिकट बेचने का आरोप लगाया है। इसमें खगड़िया से वर्तमान विधायक छत्रपति यादव, बरबीघा से गजानंद शाही, यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नागेंद्र पासवान, बांका के जिलाध्यक्ष कंचना कुमारी सिंह सहित अन्य नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेता बंटी चौधरी ने कहा कि महागठबंधन टूटने के कगार पर है, यह प्रभारी की वजह से हुआ है। उन्होंने सीएम फेस का ऐलान नहीं किया। इन लोगों ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा दिया था। हमलोग 'टिकट चोर, पद छोड़' की बात कह रहे हैं। प्रदेश प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी वजह से सीट शेयरिंग नहीं हो पाई। पार्टी में योग्य कैंडिडेट को टिकट नहीं दिया जा रहा। इस बार के चुनाव में पार्टी 10 सीट भी नहीं जीत पाएगी। पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेता आनंद माधव ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर लिखा है। वहीं, जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने दावा किया है, 2025 के चुनाव में इंडी गठबंधन तीसरे नंबर पर रहेगा। उन्होंने कहा कि, इस चुनाव में मुख्य मुकाबला एनडीए और जनसुराज के बीच होगा।

बाहुबली की पत्नी को राजद से टिकटः फेज के नॉमिनेशन खत्म होने के बाद भी सीट शेयरिंग की घोषणा नहीं हुई। 10 सीटों पर महागठबंधन की पार्टियों आमने-सामने हैं। राजद ने बाहुबली अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी को टिकट दिया है। शुक्रवार रात तेजस्वी ने अनीता देवी को पार्टी सिंबल दिया। वो नवादा के वारिसलिगंज से चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस ने इस सीट पर पहले से मंटन सिंह को उतारा है। वहीं कसबा से टिकट नहीं मिलने पर शुक्रवार को फूट-फूटकर रोए मो. इरफान आलम को कांग्रेस ने मौका दिया है। यहां से 4 बार के सिटिंग एमएलए आफाक आलम का टिकट काटकर सांसद पप्पू यादव के करीबी मो. इरफान को टिकट मिला है। हालांकि कांग्रेस की तरफ से इसकी आधिकारिक घोषणा अब तक नहीं हुई है। मगर सांसद पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर फोटो साझा करते हुए, इसकी घोषणा कर दी है। इधर, महागठबंधन में सीट शेयरिंग की खींचतान के बीच मधेपुरा की आलमनगर विधानसभा से नबीन कुमार को महागठबंधन से वीआईपी और राजद दोनों ने अपना सिंबल दिया है। इन्होंने दोनों सिंबल से अपना नॉमिनेशन भरा है। हालांकि एक टीवी न्यूज चैनल से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एक पार्टी से नामांकन वापस लेंगे।

फर्स्ट फेज के 121 सीटों पर महागठबंधन के 125 प्रत्याशीः फर्स्ट फेज के 121 सीटों पर महागठबंधन के 125 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। 121 में राजद ने 72, कांग्रेस ने 24, लेफ्ट ने 21, वीआईपी ने 6 और आईआईपी ने 2 सीटों पर नामांकन भर दिया है। वहीं, पिछले 8-10 दिनों से पटना से लेकर दिल्ली तक सीट शेयरिंग और कैंडिडेट्स सिलेक्शन पर माथापच्ची चलती रही, लेकिन इससे कुछ नहीं निकला। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे ने रूठे नेताओं से फोन पर बात की और मनाने की कोशिश की, लेकिन वो भी विफल रहे। नतीजा बिना लिस्ट जारी किए पार्टियों ने सिंबल बांटे और नामांकन दाखिल किया।

पटना एयरपोर्ट से शिवहर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर लापता

पटना। पटना एयरपोर्ट से शिवहर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर वेणु चैतन्य (25) लापता हो गए हैं। वे बेंगलुरु में काम करते हैं। दिवाली की छुट्टी में 16 अक्टूबर को वे पटना आएं थे। पिता रामस्वरूप राय के अनुसार शाम लगभग 6:34 तक फोन पर बात हुई। इसके बाद उनका मोबाइल स्विच ऑफ बताने लगा। उसके बाद से अभी तक संपर्क नहीं हो पाया है। जिसके पाद पिता ने 17 अक्टूबर को एयरपोर्ट थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाई। देर रात पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। आवेदन के अनुसार वेणु इंडिगो फ्लाइट से उतरे थे। पहले उन्होंने 2 बार रैपिडो बुक किया। दोनों बार बुकिंग कैंसिल हो गई। जिस रैपिडो वाले को बुक किया था, पुलिस ने उससे भी पूछताछ की, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। आखिरी बार वेणु को एयरपोर्ट टोल के पास सीटीटीवी फुटेज में देखा गया है। पुलिस वेणु के CDR को खंगाल रही है। आखिरी बातचीत उसने एयरपोर्ट से निकलने के बाद अपने बहनोई से की थी। पुलिस फिलहाल उसके सोशल साइट्स फेसबुक, इंस्टाग्राम और मेल के जरिए भी क्लू ढूंढने में लगी है।

फतुहा विधानसभा में त्रिकोणीय मुकाबला, महागठबंधन-एनडीए के बीच सीधी टक्कर

एजेंसी, पटना

फतुहा विधानसभा सीट इस बार एक बेहद रोमांचक चुनावी मुकाबले का गवाह बन रही है। यहां महागठबंधन-एनडीए के बीच सीधी टक्कर है, जिसमें जन सुराज पार्टी भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। यह मुकाबला त्रिकोणीय होने से क्षेत्र का चुनावी समीकरण गरमा गया है। महागठबंधन ने मौजूदा विधायक डॉ. रामानंद यादव पर चौथी बार भरोसा जताया है। मौजीपुर निवासी डॉ. यादव पिछले तीन बार से लगातार विधायक हैं और क्षेत्र में उनकी गहरी पैठ मानी जाती है। एनडीए की ओर से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने एक नया दांव खेला है। पार्टी ने पहली बार किसी महिला उम्मीदवार, रूपा कुमारी को मैदान में उतारा है। फतुहा के कल्याणपुर मोहल्ला निवासी रूपा कुमारी वर्तमान में नगर परिषद की मुख्य पार्षद हैं। वे भी यादव परिवार से आती हैं, जिससे यह मुकाबला 'यादव बनाम यादव' का हो गया है। एनडीए ने स्थानीय और महिला उम्मीदवार उतारकर एक नया समीकरण बनाने की कोशिश की है।

इस त्रिकोणीय मुकाबले में जनसुराज पार्टी के राजू मुखिया भी अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं। गौरीचक कंडाप निवासी राजू मुखिया राजपूत समाज से आते हैं और उनकी क्षेत्र में अच्छी पकड़ मानी जाती है, जिससे वे दोनों प्रमुख गठबंधनों के लिए चुनौती बन गए हैं। फतुहा सीट का चुनावी इतिहास समाजवादी दलों के दबदबे को दर्शाता है।

दीपावली को लेकर अग्निशमन विभाग की हाईलेवल मीटिंग, पूरे पटना को फायर विभाग ने 4 जोन में बांटा

एजेंसी, पटना

दीपावली को लेकर अग्निशमन विभाग के DIG मनोज नट ने लोदीपुर ऑफिस में हाईलेवल मीटिंग की। जिसमें अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी, जिला अग्निशमन पदाधिकारी को कई बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिए गए। DIG मनोज नट ने बताया कि पूरे पटना को सहूलियत के लिए 4 जोन में बांटकर तैयारी की गई है। पतली, संकीर्ण गलियों में वाटर मिस्ट बाइक के साथ फायर के कर्मी मार्च करते रहेंगे। 45 पॉइंट्स चिह्नित किए गए हैं। वहां पर अग्निशमन की गाड़ियां मौजूद रहेगी। इस बार 350 कर्मी लगाए गए हैं। आग लगने की घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल तक पहुंचकर 2 से 5 मिनट के अंदर क्विक रिस्पॉन्स करने का लक्ष्य रखा गया है। डायल 112 और 101 पर सूचना देने की बात कही गई है। DIG मनोज नट ने बताया कि सभी अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी के मोबाइल फोन नंबर सार्वजनिक किए गए हैं। लोगों इनके नंबर पर या डायल 101, 112 पर सूचना दे सकते हैं। खासकर के उन लोगों से अपील है, जो लापरवाही बरतते हैं। वो लोग पूजा पाठ के वक्त जलाई गई दीप, मोमबत्ती को वैसी जगहों पर नहीं रखें, जिससे आग लगने को संभावना हो।

घर के अंदर पटाखा नहीं जलाने की अपीलः घर में अधिक पटाखों का भंडारण नहीं करने की बात कही गई है। लोगों से कहा गया है कि घर के अंदर पटाखा नहीं जलाएं। दुकानों में पूजा के बाद जलती दीपक, अगरबत्ती, मोमबत्ती छोड़कर नहीं जाएं। पतले बिजली के तारों पर ज्यादा वोल्टेज के बल्ब नहीं जलाएं। ओवरलोड से बचें।

350 कर्मी फील्ड में रहेंगे मौजूद

आतिशबाजी करते समय आस पास बाल्टी में पानी भरकर रखें। घी, तेल के दिए कभी कपड़े अथवा ज्वलनशील पदार्थों के नजदीक नहीं जलाएं।

दिया, पटाखा, मोमबत्ती जलाते वक्त ढीले, सिंथेटिक कपड़े पहनने की बात कही गई है। अग्निशमन पदाधिकारी के मोबाइल नंबर जारी हुए है। राज्य अग्निशमन कंट्रोल रूम-7485805818, जिला अग्निशमन कंट्रोल रूमः 7485805821,लोदीपुर अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारीः 7485806115, अग्निशमन सचिवालयः 0612-2215721,अग्निशमन दानापुर का नंबर 06115-221600 है। अग्निशमन फुलवारी शरीफ का नंबर 0612-2451100 है। अग्निशमन कंकड़बागः 0612-2361198, 947399832, अग्निशमन पटना सिटीः 7485806119 अग्निशमन बाढ़ः 7485805825, 7485805823, अग्निशमन पालीगंजः 06135-277101, अग्निशमन मसौढ़ीः 0612-2434101अग्निशमन बिहटा का नंबर 7485805934 है।

चुनाव से पहले गोपालगंज में घर से 1 करोड़ जब्त

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस और एजेंसियां अलर्ट हैं। गोपालगंज की थावे विधानसभा के कबिलासपुर गांव से पुलिस ने एक घर से 1 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। भोजपुर में चेकिंग के दौरान पुलिस ने बाइक की डिक्की से 50 लाख रुपए कैश बरामद किया है। दोनों ही जगहों पर पैसों को लेकर कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई है। इधर, पटना में शुक्रवार को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने ग्रामीण कार्य विभाग के इंजीनियर संजीव कुमार के ठिकानों पर रेड की। आय से अधिक संपत्ति के मामले में ये कार्रवाई की गई। इसमें उनकी संपत्ति आय के स्रोतों से 44% अधिक पाई गई है। इंजीनियर के घर कुल 13 घंटे निगरानी टीम ने छापेमारी की। शुक्रवार की शाम 4:30 के करीब टीम गई थी। जो शनिवार की सुबह 5:30 में इंजीनियर के घर से निकली। इस बीच इनके पास करोड़ों की संपत्ति का पता चला है। इंजीनियर का नोएडा और गाजियाबाद में फ्लैट है। पटना में 12 से 13 जगहों पर जमीन खरीदने के पेपर हाथ लगे हैं। शेयर मार्केट और LIC में 60 लाख रुपए इन्वेस्ट किए जाने का पता चला। 18 लाख की ज्वेलरी और 7.50 लाख कैश जब्त किए गए हैं।

नोट गिनने की मशीन मंगवानी पड़ी, भोजपुर में 50 लाख मिले, पटना में इंजीनियर के घर रेड

गोपालगंज में गुप्त सूचना के आधार पर थावे थानाध्यक्ष और FST ने कविलाशपुर गांव निवासी संतोष प्रसाद के घर छापेमारी की। बक्सों में रखे करीब 1 करोड़ रुपए नगद बरामद किए गए हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कई बैंक पासबुक भी जब्त की हैं। पुलिस के मुताबिक जांच की जा रही है कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और चुनाव से पहले कहां ले जाई जा रही थी। पुलिस मुख्यालय ने भी इस पूरे मामले की निगरानी शुरू कर दी है। घटना थावे थाना क्षेत्र के कबिलासपुर गांव की है। बता दें कि संतोष प्रसाद गैस रिपेयरिंग का काम करता है। वहीं छोटा बेटा चाय का दुकान चलाता है। फिलहाल पुलिस पूरे परिवार को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

भोजपुर में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में है। चेकिंग के दौरान शुक्रवार देर रात नगर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। गांगी चेकपोस्ट पर स्टैटिक सर्विलांस टीम (SST) ने बाइक की डिक्की से 50 लाख रुपए कैश बरामद किया है। जानकारी के अनुसार एसएसटी टीम गांगी स्थित चेकपोस्ट पर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में वाहनों की रूटीन जांच कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक को रोककर जांच की गई। जांच में बाइक की डिक्की से भारी मात्रा में कैश मिला। जब रकम की गिनती की गई तो यह करीब 50 लाख रुपए थी। पुलिस ने मौके पर ही बाइक सवार युवक को हिरासत में ले लिया। उसकी पहचान कोईलवर थाना क्षेत्र के सकड़ी गांव निवासी दीपक कुमार सिंह के तौर पर हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में युवक ने बताया कि ये पैसा किसी हार्डवेयर कारोबारी का है। रकम की वैधता को लेकर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

पटना में शुक्रवार को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने ग्रामीण कार्य विभाग के इंजीनियर संजीव कुमार के ठिकानों पर रेड की। घर से साढ़े 7 लाख कैश मिले हैं। पुलिस के मुताबिक जांच की जा रही है कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और चुनाव से पहले कहां ले जाई जा रही थी। पुलिस मुख्यालय ने भी इस पूरे मामले की निगरानी शुरू कर दी है।

पटना साहिब में फडणवीस के संबोधन में बिजली गई

एजेंसी, पटना

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार को पटना साहिब पहुंचे थे। वे यहां भाजपा प्रत्याशी रत्नेश कुशवाहा के पक्ष में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उनके 20 मिनट के संबोधन के दौरान तीन बार बिजली गुल हो गई। बिजली गुल होने पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने टिप्पणी करते हुए पूछा, 'मेरी आवाज बंद करने का प्रयास कौन कर रहे हैं भाई?' जब एक पत्रकार ने उनसे कहा कि यहां आपकी सरकार है, तो उन्होंने जवाब दिया, यह सरकार की समस्या नहीं, माइक की समस्या है। मुख्यमंत्री ने बिहारवासियों को मुंबई में छठ पर्व के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि इस बार छठ पूजा में चुनाव आचार संहिता लागू है, लेकिन अगली बार बिहारवासियों को मुंबई में छठ पर्व देखने के लिए निमंत्रण देने आया हूं। मुंबई में छठ पर्व करने वालों के लिए कोई कमी नहीं रखी गई है। मुंबई में बिहार वासियों के अपमान पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अब बिहारी का वहां कोई अपमान नहीं होता, आप वहां जाकर देखें।

बिहार वासियों ने मुंबई से भी लंबा मैरिन ड्राइव बना लियाः उन्होंने कहा कि यूरोप के कई देशों की जनसंख्या भी 60 लाख नहीं है, जितनी मकान बिहार में प्रधानमंत्री मोदी ने आवास योजना के तहत बनवाया है और यह कार्य 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने करके दिखाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मजाकिया लहजे में कहा कि बिहार के लोग काफी होशियार हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक मरीन ड्राइव मुंबई में हुआ करता था, लेकिन अब बिहार वासियों ने मुंबई से भी लंबा मैरिन ड्राइव बना लिया है।

नीतीश कुमार के सीएम चेहरे पर विवाद, शाह के बाद चिराग बोले- चुनाव के बाद तय होगा चेहरा, मांझी ने कहा था- पहले तय होना चाहिए

एजेंसी, पटना

बिहार चुनाव के पहले फेज के इलेक्शन में सिर्फ 20 दिन का समय बचा है, ऐसे में NDA के सभी पार्टियां अब चुनावी प्रचार में जुट गई हैं। बीजेपी के बाद जदयू ने भी शुक्रवार को अपने 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत पार्टी के कई बड़े नेताओं के नाम हैं। NDA में सीट शेयरिंग हो चुकी है। सभी पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवार भी उतार दिए हैं। हालांकि, अब गठबंधन में CM फेस को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा, 'नीतीश कुमार पर न सिर्फ BJP, बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। NDA की जीत के बाद मुख्यमंत्री कौन होगा, यह फैसला विधायक दल करेगा।' अब केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अमित शाह के इस बयान का समर्थन किया है। चिराग ने कहा, 'अमित शाह ने सामान्य प्रक्रिया की बात की है, जो होती है। चुनाव के बाद गठबंधन में मुख्यमंत्री चुनने का यही प्रक्रिया होती है। इसमें कोई नई बात नहीं है। हमारा पांच दल का गठबंधन है, जितने विधायक जीतकर आएंगे स्वयं अपना नेता चुनेंगे। मुख्यमंत्री चुनने की जो प्रक्रिया है, उसका भी सम्मान करने की जरूरत है। इधर, HAM प्रमुख जीतन राम मांझी का कहना है कि चुनाव से पहले नेता यानी होने वाले मुख्यमंत्री का भी नाम तय हो जाना चाहिए था। कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए।'

चिराग बोले- हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैंः NDA को लेकर जितना भ्रम फैलाया जा रहा था और मैंने इस बात को बार-बार कहा था कि NDA में बहुत सहजता से सारी बातों का फैसला हो जाएगा। चाहे वो सीटों की चयन की बात हो या प्रत्याशी तय करने की

बात हो। मैं विश्वास के साथ कहता हूं कि हमारा गठबंधन एक ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा, 'हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। मेरा किसी भी दूसरे घटक दल के साथ एक प्रतिशत का भी विवाद नहीं रहा है। हम सही मायने में दीवाली 14 नवंबर को मनाएंगे।'

चुनाव से पहले CM फेस का नाम तय होः इधर, NDA में एक बार फिर सीएम फेस को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा, 'वर्तमान में NDA नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है। नीतीश कुमार पर न सिर्फ BJP, बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। NDA की जीत के बाद मुख्यमंत्री कौन होगा, यह फैसला विधायक दल करेगा।' वहीं, HAM प्रमुख जीतन राम मांझी ने गृहमंत्री के इस बयान पर कहा, 'अमित शाह NDA के प्रमुख नेताओं में आते हैं, उन्होंने कुछ कहा है तो उसे आधिकारिक ही माना जाएगा, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर मुझे लगता है कि चुनाव से पहले नेता यानी होने वाले मुख्यमंत्री का भी नाम तय हो जाना चाहिए था।' मांझी ने कहा, 'कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए। यह दुविधा महागठबंधन में है, जिस वजह से आज तक उनकी लिस्ट फाइनल नहीं हो पाई है। सौभाग्यवश NDA में अब तक सब कुछ ठीक रहा है।'

हरिवंश नारायण बोले- बिहार में नीतीश कुमार का कोई विकल्प नहींः JDU सांसद और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने न्यूज एजेंसी ANI को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि बिहार में नीतीश कुमार का कोई विकल्प नहीं है। हरिवंश ने कहा- अगर आप नीतीश के विजन की तुलना करें, तो सभी नए लोगों में कोई भी उनका मुकाबला नहीं कर सकता। हरिवंश ने कहा- नीतीश की सक्रियता और जिम्मेदारी की भावना उन्हें वह जगह दिलाएगी जिसके वह वास्तव में हकदार हैं। वे जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से निकले और उन्होंने अपने जीवन में जयप्रकाश नारायण और लोहिया के आदर्शों को व्यावहारिक रूप से अपनाया। राज्यसभा के उपसभापति ने कहा- CM नीतीश ने जयप्रकाश नारायण और लोहिया का नाम लेकर अपने परिवार का रुतबा और संपत्ति नहीं बढ़ाई, भ्रष्टाचार को बढ़ावा नहीं दिया और कुशासन का प्रतीक नहीं बने।

संक्षिप्त समाचार

नरकटिया विधानसभा: डॉ. शमीमुल हक ने नामांकन दाखिल किया

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के तहत नरकटिया विधानसभा क्षेत्र (12) से AIMIM के प्रत्याशी डॉ. मो. शमीमुल हक ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी का प्रतीक पेश करते हुए साइकिल पर बैठकर नामांकन दाखिल किया। डॉ. शमीमुल हक के साथ हजारों समर्थक, युवा और महिलाएं मौजूद रहीं, जिन्होंने "इंसाफ की आवाज – डॉ. शमीमुल हक जिंदाबाद" के नारों से माहौल को उत्साही बना दिया। नामांकन के दौरान कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में डॉ. शमीमुल हक ने कहा कि यह चुनाव जनता के अधिकार, विकास और सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं आम लोगों से दूर हैं, और उनका संकल्प है कि वे हर वर्ग और समुदाय की आवाज विधानसभा में पहुँचाएंगे। डॉ. शमीमुल हक ने यह भी कहा कि AIMIM का उद्देश्य समाज के कमजोर तबकों तक इंसाफ की आवाज पहुँचाना और बिहार में नई राजनीतिक सोच को मजबूती देना है। इस अवसर पर AIMIM के जिला और प्रखंड स्तर के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र संगठन के सदस्य और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

बच्चों की छठ प्रस्तुति ने मन मोहा

- जेनिथ इंटरनेशनल स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम व रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी। शहर से सटे लक्ष्मीपुर स्थित जेनिथ इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को बच्चों के बीच रंगोली प्रतियोगिता तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस क्रम में स्कूली बच्चों द्वारा छठ की नयनाभिराम प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने आकर्षक रंगोली बनाई। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य अंजनी अशेष ने कहा कि रोजमर्रा के कार्यों से थके हुए मनुष्यों को त्यौहार नई स्फूर्ति प्रदान करते हैं। छठ पर्व प्रकृति-प्रेम व स्वच्छता का संदेश देता है। कार्यक्रम में प्रीतम, छोटू, युवराज, विकास, पवन, पीयूष, ऋषि, आराध्या, साक्षी, रिया, चांदनी, अमन, देव, आरिका, श्रेया व प्रदर्श की भूमिका सराहनीय रही। मौके पर शिक्षक उज्ज्वल कुमार, प्रीति गुप्ता, रीतिका, आयुषी, रोशन मणि त्रिपाठी, हिमांशु, आरती, प्रियम आदि मौजूद थे।

पलनवा पुलिस ने शराब तस्कर को 20 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार कर भेजा जेल

बीएनएम @ रामगढ़वा। पलनवा थाना पुलिस ने शनिवार को शराब निषेध कानून के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के सौनाहा निवासी श्रीलाल यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोपी के पास से 20 लीटर चुलाई देशी शराब बरामद की गई।

गिरफ्तारी की कार्रवाई

थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी की। इस दौरान आरोपी को साइकिल से शराब की खेप ले जाते हुए पकड़ा गया। मौके पर ही जब्त शराब को सुरक्षित किया गया और आरोपी को थाना लाया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि यह कार्रवाई पुलिस की सक्रियता और शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ चल रही सख्त मुहिम का हिस्सा है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जेल भेजा गया है।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए संध्या चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन

बीएनएम @ हरसिद्धि/रामगढ़वा। बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 के तहत जिले के विभिन्न अंचलों में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए संध्या चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अरेराज अंचल के बाभनौली कोहारवा महादलित टोला में विकास मित्रों द्वारा मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया और मतदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इसी तरह, बड़ाहरपुर वार्ड नं. 07, महादलित टोला, पंचायत-गायघाट, प्रखंड-हरसिद्धि में विकास मित्र हरेन्द्र राम ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। रामगढ़वा प्रखंड के बेला पंचायत महादलित टोला में भी मतदाताओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिले के सभी अंचलों में यह अभियान चलाया जा रहा है ताकि प्रत्येक मतदाता अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर सके।

मतदान के लिए जागरूकता अभियान तेज

बीएनएम @ जमुई। आगामी 11 नवंबर को होने वाले मतदान को लेकर मतदाताओं में उत्साह भरने और शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीडीपीओ जमुई सदर के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।शनिवार को विधानसभा क्षेत्र 241 के अंतर्गत बूथ संख्या 16 में आयोजित इस कार्यक्रम की कमान महिला पर्यवेक्षिका पूनम कुमारी ने संभाली। उनके साथ सेविका नीलम कुमारी और सुनीता कुमारी ने सक्रिय सहयोग दिया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं और किशोरियों को मतदान के लोकतांत्रिक महत्व के बारे में विस्तार से समझाया गया। पर्यवेक्षिका पूनम कुमारी ने सभी से अपील की कि वे 11 नवंबर को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और न केवल स्वयं वोट दें, बल्कि अपने आस-पास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक-एक वोट कितना कीमती है और यह कैसे एक मजबूत लोकतंत्र की नींव रखता है।सेविकाओं ने भी घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने और मतदान के दिन बूथ तक लाने की शपथ ली। यह पहल जमुई सदर CDPO की ओर से मतदाता शिक्षा को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का एक सराहनीय प्रयास है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदान से वंचित न रहे।

जनसुराज पर बिहार के लोगों का भरोसा अटल: डॉ अतुल कुमार

डॉ. अतुल कुमार मोतिहारी विधानसभा सीट से 2025 के विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार हैं। वे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सक्रिय नेता रहे थे, परंतु टिकट वितरण में अनदेखी के बाद उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए और जनसुराज के टिकट पर भाजपा के प्रत्याशी के विरुद्ध ताल ठोकते दिख रहे है. डॉ अतुल कुमार और सागर सूरज के बीच बात चित का अंश :

प्रश्न : लम्बे समय से भाजपा के साथ रहे. मोह भंग होने के पीछे के क्या कारण है?

उत्तर : भाजपा अपने परम्परागत तरीके से अलग नहीं होना चाहती. जन भावनाओं से उसे कोई मतलब नहीं है. टिकट बंटवारे मे आम जनता के भावनाओं को दरकिनार करना साथ ही इस बिधान सभा की आधारभूत समस्याओं से मुँह फेरना जैसी कई ऐसी बातें मुझे लम्बे समय से कचोट रही थी. इधर समर्थकों का दबाब लगातार बढ़ रहा था. इस विधान सभा मे कुछ जातियाँ हमेशा से सत्ता की भागीदारी से बंचित रही है. जात पात नहीं करने वाली जातियों को ये समझ कर दरकिनार किया गया कि बे जायेंगे कहा? . ऐसे मे जात पात से अलग बिहार की बदलाव की बात करने वाली पार्टी का ऑप्शन मिलते ही हमने भाजपा का दामन छोड़ दिया.

प्रश्न : प्रशांत किशोर ही क्यों? क्या जन सुराज जैसी क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा राजद जैसी विशाल जनसमर्थन वाली पार्टियों की मुकाबला कर सकती है?

उत्तरः जिस तरह से प्रशांत किशोर को सुनने को लेकर भीड़ उमड़ रही है वो साबित करता है कि प्रशांत किशोर ही बिहार के भविष्य है. वे जात पात और धर्म के नाम पर समर्थन नहीं मांग रहे है बल्कि वे बिहार का सम्पूर्ण विकास, युवाओं को रोजगार और पलायन पर बात करना ज्यादा पसंद करते है. बिहार के लोग अब काफ़ी समझदार हो गये है. सिर्फ सेंटीमेंट के आधार पर उनका समर्थन लेना संभव नहीं है. युवाओं को रोजगार चाहिए और ये उम्मीद सिर्फ प्रशांत किशोर पर ही है. बाकी सबों को लोग लम्बे समय से देख रहा है. बिहार की बुनियादी समस्या आज भी जस की तस है.

प्रश्न : मोतिहारी विधान सभा की ऐसी क्या समस्या है, जो आज तक जस की तस है और आप अगर चुनाव जीतते है तो इसका समाधान कैसे करेंगे?

उत्तरः हमारी पार्टी बिहार मे सत्ता मे आ रही है. सबसे पहले शिक्षा, सरकारी कार्यालयों मे भ्रस्टाचार, स्वास्थ्य, अपराध पर कार्य करते हुये युवाओं के पलायन रोकने पर फोकस होना है, इसके लिए पार्टी के पास फुल प्रूफ प्लान है. रही बात मोतिहारी की तो यहाँ कार्यालयों मे भ्रष्टाचार चरम पर है. आम आदमी त्रस्त है ना तो जन प्रतिनिधि सुनते है और ना ही कोई आधिकारी. सरकारी कर्मी बेलगान हो गये है उन्हें ना तो कोई रोकने वाला है और ना ही टोकने वाला. ऐसे मे जनसुराज की जरुरत महसूस की जा रही है.

प्रश्न : आपको क्या लगता है. जनता आपको वोट क्यों करेंगी?

उत्तर : पुरानी व्यस्था ऑटो क्रेटिक हो चुकी है. एक ही आदमी लम्बे समय इस विधान सभा मे सत्ता मे है. एंटी- इनकम्बसी अपने चरम पर है. बिहार मे लोग अल्टरनेटिव की तलाश मे है और जनसुराज से बेहतर बिहार मे कोई भी नहीं है. प्रशांत किशोर पर भरोसा का ही परिणाम है कि संभावित प्रत्याशियों की एक लम्बी फेहरिस्त इस चुनाव मे टिकट के कतार मे खड़ी दिखी. पार्टी को लगा मै बेदाग़ चेहरा हूँ. लोग भी मुझे पसंद करते है. चिकित्सा क्षेत्र मे वर्षों से सेवा का अवसर प्रदान हुआ. अपने विधान सभा के हर घर से परिचित हूँ और लोग भी मुझसे परिचित है.

प्रश्नः जनसुराज पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगता रहा है. क्या कहेंगे आप?

उत्तर : प्रशांत किशोर जी ने जिस तरीके से भाजपा के बड़े बड़े नेताओं को लपेटा है, उससे ही आप समझ सकते है जनसुराज क्या है. बिहार मे राजग और इंडि दोनों ही गठबंधन अभी सकते मे है. दोनों के समर्थक जनसुराज के कार्यक्रमों मे भारी भीड़ के रूप मे भाग ले रहे है. पार्टियां आरोप उन्ही पर लगाती है जो महावपूर्ण है. राजद और बीजेपी के अलावा भी कई छोटी छोटी पार्टियां बिहार मे चुनाव लड़ रही है लेकिन उसपर कोई आरोप लगाने वाला भी नहीं है क्योंकि उनका अपना कोई जनाधार नहीं है.

बता दे कि डॉ. अतुल कुमार मोतिहारी जिले के प्रसिद्ध चिकित्सक हैं। उनकी शिक्षाः एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन), डी.एन.बी.पेशाः जनरल फिजिशियन और कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्टअस्पतालः के.एम. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, गायत्री मंदिर के सामने, बेलबनवा, मोतिहारी उनका राजनीतिक सफर भाजपा में उन्होंने चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक के रूप में कार्य किया । 2025 के चुनाव में भाजपा ने मोतिहारी सीट से प्रमोद कुमार को ही टिकट दिया, जिसके बाद डॉ. अतुल कुमार ने असंतोष व्यक्त किया और जन सुराज पार्टी का दामन थाम लिया । अब वे जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी के रूप में मैदान में हैं और स्थानीय स्तर पर उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है ।

11 नवंबर को मतदान को लेकर जिले में रंगोली के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान

» स्कूली बच्चों की सृजनशील पहल, प्रशासन ने की सराहना

बीएनएम @ मोतिहारी

आगामी 11 नवंबर को होने वाले बिहार विधानसभा आम चुनाव को लेकर पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन मतदाता जागरूकता अभियान को गति दे रहा है। लोकतंत्र के महापर्व में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को समाहरणालय परिसर, मोतिहारी में 20 विद्यालयों के 150 से अधिक स्कूली बच्चों ने मतदान और मताधिकार पर आधारित आकर्षक रंगोलियाँ बनाकर वोटरों से मतदान करने की अपील की। इन रंगोलियों के माध्यम से संदेश दिया गया कि मतदाता 11 नवंबर को अपने घरों से निकलकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। शाम 5 बजे जिलाधिकारी के नेतृत्व में विभिन्न वरीय पदाधिकारियों ने रंगोली प्रदर्शनी का अवलोकन किया और बच्चों से उनके थीम के बारे में बातचीत की। जिलाधिकारी ने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि रंगोली के माध्यम से उन्होंने मतदाताओं तक प्रभावी संदेश पहुँचाया है। उन्होंने सभी मतदाताओं से राष्ट्रहित में अपने कर्तव्य का पालन करते हुए मतदान करने की अपील की। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में शिक्षा विभाग, आईसीडीएस, जीविका और विकास मित्रों की मदद से निरंतर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। संध्या चौपाल, रैली और महादलित टोले में विशेष अभियान के माध्यम से मतदाताओं को प्रेरित किया जा रहा है। मतदान केंद्रों को मतदाता-हितैषी बनाया गया है। पीडब्ल्यूडी वोटर्स के लिए रैंप और ट्राइसाइकिल की व्यवस्था की गई है, वहीं बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधा का भी ध्यान रखा गया है। रंगोली प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी ने फीता काटकर किया। भारत स्काउट एंड गाइड के बच्चों ने ड्रम वादन के साथ अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद जिलाधिकारी और वरीय अधिकारियों ने एक-एक रंगोली का अवलोकन किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 30 बच्चों को स्कूल बैग और 90 बच्चों को पेंटिंग किट प्रदान किए गए। इस अवसर पर नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, सहायक समाहर्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, डीपीओ सर्व शिक्षा, डीपीओ माध्यमिक शिक्षा, भारत स्काउट एंड गाइड के जिला मुख्य आयुक्त रत्नेश्वरी शर्मा, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक और शहर के नागरिक मौजूद रहे। यह कार्यक्रम जिला स्वीप कोषांग और जिला शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शामिल स्कूलों में राजा राम हाई स्कूल तुरकौलिया, सुंदरमपुर हाई स्कूल केसरिया, जीपीएस लक्ष्मी कन्या मोतिहारी, गोपाल साह हाई स्कूल मोतिहारी, राजेपुर हाई स्कूल मेहसी, उच्च माध्यमिक मधुबनी घाट, प्रभावती गुप्ता उच्च विद्यालय मोतिहारी, मंगल सेमिनरी उच्च विद्यालय मोतिहारी, मध्य विद्यालय लौठहा मोतिहारी, राजकीय बाल निकेतन राजबाजार मोतिहारी, उच्च माध्यमिक विद्यालय सफाई, एमजेके गर्ल्स इंटर कॉलेज, जिला स्कूल और एसएमयGबी हाई स्कूल सेमरा शामिल थे।

विधानसभा चुनाव को लेकर एसएसबी और 11 एपीएफ नेपाल के साथ संयुक्त बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

शनिवार को को 71वीं वाहिनी स.सी.ब. मोतिहारी के कार्यक्षेत्र सीमा चौकी जमुनिया में प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट एवं देवेंद्र थापा डीएसपी 11 वीं वाहिनी एपीएफ नेपाल के साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तंभ संख्या 356 के नजदीक संयुक्त मीटिंग सम्पन्न हुआ। इस संयुक्त मीटिंग का मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विभिन्न तरह की सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं आवश्यक चर्चा को लेकर सीमा पर हो रहे तस्करी को रोकना एवं सीमा पर रह रहे लोगों के दिलों में सुरक्षा की भवन पैदा करना है। इस मीटिंग में निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा किया गया बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान भारत-नेपाल सीमा पर संयुक्त गश्ती किया जायेगा। सीमा के आर पार होने वाले अपराध पर पैनी नजर राखी जाएगी जिसमे दोनों देशों के एजेंसियां तत्परता से कार्य करेगी और सूचना एक दुसरे को आदान प्रदान करेगी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान शराब तस्करों पर पूर्ण नियंत्रण रखा जायेगा। एरिया डोमिनेशन पुलिस के साथ तथा नेपाल एपीएफ के साथ सीमा पर नाइट पेट्रोल को बढ़ाया जायेगा तथा इस दौरान नेपाल Zen-G आंदोलन में जेल ब्रेक करने वाले कैदियों के बारे में भी चर्चा किया गया।एस.एस.बी. के जवानों द्वारा क्रॉस चेकिंग किया जा रहा है तथा डॉग स्क्वॉड की मदद से संदिग्ध स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस मीटिंग के दौरान उपनिरीक्षक बीरेंद्र यादव 11 वीं वाहिनी एपीएफ नेपाल, असलम अंसारी थानाध्यक्ष झरोखर पुलिस एवं एसएसबी से निरीक्षक/सा0 राज नंदन कुमार, निरीक्षक/सा कुलदीप कुमार उपस्थित रहे।

जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कुल 21 उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के तहत 18 अक्टूबर को जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कुल 21 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। नरकटिया में पांच, हरसिद्धि में तीन, गोविंदगंज में तीन, पिपरा में पांच, मोतिहारी में तीन और चिरैया में दो उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी पंजीकृत करवाई। हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी और पूर्व विधायक राजेन्द्र कुमार राम ने शनिवार को अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से भारी संख्या में कार्यकर्ता, समर्थक और ग्रामीण पहुंचे, जिससे महागठबंधन के प्रति स्थानीय समर्थन का अंदाजा लगाया जा सकता है। अरेराज डीसीएलआर सह निर्वाची पदाधिकारी इति चतुर्वेदी के समक्ष राजेन्द्र कुमार राम ने नामांकन पत्र जमा किया। इसी मौके पर एनडीए समर्थित उम्मीदवार कृष्णनंदन पासवान ने भी नामांकन दाखिल किया, जिससे चुनावी मुकाबला और रोचक हो गया। नामांकन के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए राजेन्द्र कुमार राम ने कहा कि उनका लक्ष्य क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान करना, समग्र विकास सुनिश्चित करना और युवाओं एवं महिलाओं के लिए अवसर प्रदान करना है। उन्होंने जनता का विश्वास अपनी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए इसे पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाने का आश्वासन दिया। स्थानीय महागठबंधन नेताओं ने बताया कि नामांकन के दौरान उमड़ा जनसैलाब सकारात्मक माहौल का संकेत है। सोशल मीडिया पर भी #harsidhi, #हृदय_में_हरसिद्धि और #biharelection2025 जैसे हैशटैग ट्रेंड करते रहे, जिससे डिजिटल स्तर पर भी समर्थन दिखाई दिया।

संक्षिप्त समाचार

देवर ने की भाभी से मारपीट

बीएनएम @ जमुई/झाझा। शुक्रवार की देर शाम को झाझा थानाक्षेत्र के सुंदरनगर गांव में पति पत्नी के बीच हो रहे विवाद के दौरान गुस्साए देवर ने अपनी भाभी पर लोहे के सबल से वार कर सिर फोड़कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घटना में घायल महिला की पहचान गौरी देवी के रूप में हुई जिसे स्वजनों की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा में भर्ती करवाया गया जहां डॉक्टर बीके राय ने घायल महिला का इलाज किया। घायल महिला ने बताई की मैं और मेरे पति में दीपावली की खरीददारी को लेकर आपस मे विवाद हो रहा था जिसके बाद मेरा पति घर छोड़कर निकल गया तभी मेरा छोटा देवर कन्तु यादव और गौतनी गौरी देवी आकर मुझसे विवाद करने लगा और देवर ने मेरे सिर पर गुस्सा होकर लोहे के सबल से वार कर सिर फोड़कर घायल कर दिया। महिला ने देवर और गौतनी क खिलाफ थाना में शिकायत किया।

बड़े भाई ने छोटे भाई का सर फोड़ा

बीएनएम @ जमुई/झाझा। झाझा नगर क्षेत्र के नदी किनारे बाबुबांक में पानी के विवाद पर बड़े भाई ने छोटे भाई का जान का दुश्मन बन बैठा और छोटे भाई के ऊपर लोहे के कड़ा से दो तीन बार वार करके सिर फोड़कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घायल की पहचान कारू रविदास के रूप में हुई है जिसे लहूलुहान अवस्था मे उसकी पत्नी ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा में भर्ती करवाया जहां उसका इलाज किया गया। घायल कारू ने बताया कि घर के पास सरकारी चापाकल लगा हुआ है और मेरा मंझला भाई जीतू कुमार उसे घेराबन्दी कर लिया है और पानी लेने से भी मना कर दिया। जब शुक्रवार की शाम मेरी पत्नी खाना बनाने के लिए चापाकल से पानी लेने के लिए गई तो मंझले भाई पानी लेने से मना कर विवाद करने लगा और जब मैं पहुंचकर मामला शांत करने की कोशिश किया तो भाई ने लोहे के कड़ा से मेरे सिर पर प्रहार करने लगा जिससे मेरा सिर फट गया और मैं घायल हो गया। घायल ने थाना में घटना की जानकारी दी।

छठ पूजा समिति के कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न

बीएनएम @ जमुई/झाझा – गणेशी मंदिर समीप छठघाट पर इस वर्ष होने वाले छठपूजा को लेकर शुक्रवार की शाम को नगर क्षेत्र स्थित श्री श्री 108 वैष्णवी दुर्गामंदिर प्रांगण में सार्वजनिक छठ पूजा समिति के कार्यकारिणी का चुनाव करवाया गया। बैठक में पिछली कमेटी भंग होने के कारण वैष्णवी दुर्गा पूजा समिति ने छठपूजा के आयोजन का कार्यभार सम्भाने पर सहमति बनी। बैठक में सर्वसम्मति से प्रभाष कुमार बंका को इस वर्ष होने वाले सार्वजनिक छठ पूजा समिति के लिए अध्यक्ष सह संयोजक मनोनीत किया गया। साथ ही साथ सूरज अग्रहरि को कोषाध्यक्ष , पिंटू कुमार को सह कोषाध्यक्ष , रौनक पासवान , ध्रुव अग्रहरि , सचिन गुप्ता को सह संयोजक सन्नी , अजीत और राहुल को सजावट मंत्री , गोपाल रजक को कार्यालय देख रेख , मुन्ना यादव को घाट सफाई , साधु केशरी , टिल्लू बँका, टिंकू वर्मा, पप्पू यादव , भीम प्रसाद को प्रसाद मंत्री , सुन्नी अग्रहरि , ओम प्रकाश रावत , अन्नू , मुस्कान , सूरज , गौरव , कुंदन ,अशोक यादव , आर्यन , अंशु को चंदा प्रभार सौंपा गया। प्रभाष ने बताया कि इस बार घाट की साफ़ सफाई और श्रद्धालुओं की अन्य सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा जाएगा।

सड़क हादसे में महिला की मौत, ट्रक चालक फरार

बीएनएम @ जमुई/झाझा। थाना क्षेत्र के दादपुर के समीप कटोरिया बाबा स्थान के निकट शनिवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अज्ञात ट्रक ने सड़क पार कर रही महिला को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।मृतका की पहचान झाझा थाना क्षेत्र के करहरा गांव निवासी फोखन यादव की पत्नी बिशनी देवी (60 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बिशनी देवी मानसिक रूप से बीमार थीं और अकेले ही सड़क पार कर रही थीं, तभी यह हादसा हो गया।घटना की सूचना मिलते ही झाझा थाना के एसआई धर्मेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाया है और अज्ञात वाहन की पहचान को लेकर छानबीन शुरू कर दी है।घटना के बाद परिजनों के बीच मातम पसर गया।

जदयू ने अमौर सीट से बदला उम्मीदवार,अब साबिर अली लड़ेंगे चुनाव

बीएनएम @ पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने अमौर विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बदल दिया है। अब पूर्व राज्यसभा सांसद साबिर अली इस सीट से प्रत्याशी होंगे। जदयू ने पूर्व घोषित उम्मीदवार सबा जफर से सिंबल वापस ले लिया है। साबिर अली 20 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करेंगे। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की स्वीकृति के बाद बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के द्वितीय चरण के लिए अमौर विधानसभा सीट से पार्टी के प्रत्याशी में बदलाव किया गया है। पार्टी ने सर्वसम्मति से साबिर अली को अमौर विधानसभा क्षेत्र से जदयू का आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी को पूर्ण विश्वास है कि साबिर अली अपने अनुभव, समर्पण और जनसंपर्क के बल पर अमौर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को और अधिक मजबूत करेंगे तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन के संकल्प को आगे बढ़ाएंगे। जदयू ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों से एकजुट होकर साबिर अली की सफलता सुनिश्चित करने और बिहार के विकास के इस अभियान को और सशक्त बनाने का आहवान किया है।

बिहार विधानसभा चुनावः महागठबंधन में नौ सीटों पर 'फ्रेंडली फाइट',

» साथी दल बने एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण ने राज्य की राजनीति में नया मोड़ ला दिया है। महागठबंधन (RJD, कांग्रेस, वामदल और वीआईपी) के भीतर सीट बंटवारे पर सहमति न बनने के कारण अब आठ विधानसभा सीटों पर 'फ्रेंडली फाइट' की स्थिति बन गई है। इन सीटों पर सहयोगी दल ही एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं, जिससे गठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठने लगे हैं।पहले चरण की 121 सीटों पर नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस बीच, जहां एनडीए ने अपना सीट बंटवारा पहले ही स्पष्ट कर दिया था, वहीं महागठबंधन के घटक दलों ने अपनी-अपनी सूचियां तो जारी कर दीं लेकिन साझा सहमति नहीं बन पाई। नतीजतन, कई सीटों पर RJD, कांग्रेस, CPI और VIP के प्रत्याशी आमने-सामने हैं।

इन नौ सीटों पर 'दोस्ताना टकराव'- राजनीतिक गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा उन आठ सीटों की है, जहां सहयोगी दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में उतर गए हैं —वैशाली, लालगंज, राजापाकड़, बछवाड़ा, रोसड़ा, बिहारशरीफ, तारापुर और कहलगांव,वारिसलीगंज ।कहलगांव सीट पर RJD के रजनीश यादव और कांग्रेस के प्रवीण कुशवाहा के बीच मुकाबला है। यह सीट दोनों दलों के बीच मतभेद का केंद्र बन गई है।तारापुर में RJD के अरुण शाह और VIP के सकलदेव सिंह ने नामांकन दाखिल किया है, जिससे यहां भी महागठबंधन की अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई है।बछवाड़ा, बिहारशरीफ और रोसड़ा में कांग्रेस और CPI के उम्मीदवार आमने-सामने हैं।बछवाड़ाः कांग्रेस के प्रकाश दास बनाम CPI के अवधेश कुमार राय |बिहारशरीफः कांग्रेस के उमैर खान बनाम CPI के शिव प्रसाद यादवरोसड़ाः कांग्रेस के बीके रवि बनाम CPI के लक्ष्मण पासवान,राजापाकड़ सीट पर कांग्रेस की प्रतिमा कुमारी और CPI के मोहित पासवान के बीच मुकाबला होगा।वैशाली सीट पर RJD के अजय कुशवाहा और कांग्रेस के ई. संजीव सिंह आमने-सामने हैं। वारिसलीगंज सीट राजद से अनीता देवी वही कांग्रेस से मंटन सिंह आमने सामने है |

लालगंज सीट पर सबसे दिलचस्प जंग- सबसे अधिक चर्चा में है लालगंज विधानसभा सीट, जहां RJD ने बाहुबली नेता मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी शुक्ला को टिकट दिया है। उनके सामने कांग्रेस के आदित्य कुमार राजा मैदान में हैं। यह सीट अब महागठबंधन के भीतर शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक बन गई है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन 'दोस्ताना मुकाबलों' के पीछे सीट बंटवारे की असहमति और संगठनात्मक अहं की झलक है। अंदरखाने में कांग्रेस और वामदल के बीच कई सीटों पर असंतोष है, जबकि राजद के नेताओं को लग रहा है कि उन्हें अपेक्षाकृत कम हिस्सेदारी दी गई है।महागठबंधन नेताओं के मुताबिक, "फ्रेंडली फाइट" का असर चुनाव नतीजों पर भी पड़ सकता है, खासकर उन सीटों पर जहां मुकाबला पहले से ही त्रिकोणीय है।पहले चरण के मतदान से पहले इस अंदरूनी खींचतान ने साफ कर दिया है कि महागठबंधन की एकजुटता कागजों पर जितनी मजबूत दिखती है, जमीन पर उतनी नहीं।

दूबेडीह गांव में बिजली चोरी करते उपभोक्ता पकड़ा गया, केस दर्ज

बीएनएम @ जमुई/सोनो

जिले के सोनो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बाबूडीह पंचायत के दूबेडीह गांव में शुक्रवार को बिजली चोरी का मामला सामने आया है। जांच के दौरान विद्युत विभाग की टीम ने उपभोक्ता देवी यादव को मीटर से पहले एलटी मेन तार में अवैध कनेक्शन जोड़कर बिजली चोरी करते पकड़ा।कनीय विद्युत अभियंता प्रीतम राज ने बताया कि टीम बिजली संबंध विच्छेदन, बकाया वसूली व चोरी की जांच के लिए क्षेत्र में गई थी। जांच में चोरी की पुष्टि होने पर तार जब्त कर लिया गया और जुर्माना लगाया गया।अभियंता ने बताया कि इस मामले में सोनो थाना में आरोपी उपभोक्ता के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आवेदन में उपभोक्ता पर जांच दल को धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि बिजली चोरी में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छपराः राजद के उम्मीदवार खेसारी लाल यादव है 25 करोड़ के मालिक

» लग्जरी कारों और संघर्ष से चमक तक का सफर

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में इस बार राजनीतिक मैदान में सिनेमा की चमक भी उतर आई है। भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (RJD) की टिकट पर छपरा सीट से नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने अपने हलफनामे में 24.81 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति घोषित की है, जो उनके संघर्ष और सफलता की कहानी को और दिलचस्प बनाती है।

25 करोड़ की संपत्ति और करोड़ों की चल-अचल संपत्ति- खेसारी के हलफनामे के मुताबिक, उनके पास 16.89 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 7.91 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। वहीं उनकी पत्नी चंदा यादव के पास 90.02 लाख रुपये की चल और 6.49 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति दर्ज है। इस तरह दंपति की कुल संपत्ति 25 करोड़ रुपये से अधिक है। पहले चर्चा थी कि इस सीट से चंदा यादव चुनाव लड़ेंगी, लेकिन आखिरकार खुद खेसारी ने मैदान संभाल लिया।

3 करोड़ की कारें और 35 लाख के गहने- भोजपुरी इंडस्ट्री के इस सुपरस्टार के पास लगभग 3 करोड़ रुपये की लग्जरी कारें, 35 लाख रुपये के सोने के गहने और कई बैंक खाते हैं। नकद राशि के रूप में खेसारी के पास 5 लाख रुपये और उनकी पत्नी के पास 2 लाख रुपये हैं। राजद में शामिल होने के एक दिन बाद ही उन्हें टिकट मिल गया था। नामांकन के समय उन्होंने कहा, "मेरा दिल हमेशा से राजद के साथ रहा है, अब जनता की सेवा के लिए राजनीति में आया हूं।" 100 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों और 5000 से अधिक गीतों में अपनी आवाज देने वाले खेसारी लाल यादव आज इंडस्ट्री के सबसे बड़े नामों में से एक हैं। उनके आने से छपरा सीट का मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है, जहां पहले चरण में 6 नवंबर को मतदान होगा।खेसारी का जीवन मेहनत और जिद का प्रतीक है। उनके पिता मंगरू यादव कभी रेहड़ी-पटरी लगाकर और रात में चौकीदारी करके परिवार का भरण-पोषण करते थे। खेसारी खुद बचपन में मवेशी चराते और दूध बेचते थे। दिल्ली में उन्होंने परिवार के साथ लिट्टी-चोखा बेचने से शुरुआत की, और आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं।राजनीति में कदम रखते हुए खेसारी लाल यादव अब अपनी नई पारी शुरू कर चुके हैं। छपरा की जनता उन्हें कलाकार से जनसेवक के रूप में कितना स्वीकार करती है, यह आने वाला वक्त बताएगा।

बगहा और रामनगर से तीन प्रत्याशियों ने भरा नामांकन, चुनावी घमासान तेज

बीएनएम @ बगहा

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शनिवार को बगहा अनुमंडल कार्यालय में बड़े दलों के तीन प्रमुख प्रत्याशियों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किया|भाजपाः सिटिंग विधायक राम सिंह (73, चनऊ जाति) ने नामांकन भरा। इंटरमीडिएट पास राम सिंह आरएसएस से जुड़े रहे हैं और पार्टी ने उन पर दोबारा भरोसा जताया है।कांग्रेसः युवा उम्मीदवार जयेश मंगलम सिंह (37, राजपूत समाज, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट) ने भी नामांकन किया। 2020 में राम सिंह से हारने के बाद भी वे लगातार सक्रिय रहे हैं और युवाओं में उनकी अच्छी पैठ है।आप पार्टीः शेषनाथ चौधरी ने भी इसी क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया। रामनगर-02 (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्रःभाजपा (एनडीए): नंदकिशोर

महागठबंधन प्रत्याशी जय सिंह

नंदकिशोर राम एनडीए प्रत्याशी रामनगर

राम (50, स्नातक) ने अपनी नामजदगी का पर्चा भरा। साफ छवि और मजबूत जनसंपर्क के चलते उन्हें पाँच बार की विधायक पद्मश्री भागीरथी देवी के स्थान पर टिकट दिया गया है। नंदकिशोर राम पहले जदयू में थे और बाद में भाजपा में शामिल हो गए।नामांकन के अवसर पर बगहा और रामनगर में भारतीय जनता पार्टी की विशाल जनसभा आयोजित की गई, जिसमें त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मानिक शाहा, केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दूबे और सांसद डॉ. संजय जायसवाल जैसे शीर्ष नेता शामिल हुए।

राम सिंह एनडीए प्रत्याशी बगहा

गुगुलडीह विद्यालय में छठ की अनूठी झलक, बच्चों ने दिया पारंपरिक प्रस्तुति

बीएनएम @ जमुई/बरहट

छठ पर्व की प्रस्तुति देते बच्चे

लोकआस्था के महापर्व छठ की झलक शनिवार को +2 उच्च विद्यालय गुगुलडीह के प्रांगण में देखने को मिली, जब विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजकर छठ पूजा की पूरी झांकी प्रस्तुत की। इस अवसर पर विद्यालय का वातावरण श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव से सराबोर हो उठा।कार्यक्रम में बच्चों ने छठी मैया की पूजा-विधि, डाला सजावट, सूर्य अर्घ्य, और लोकगीतों की प्रस्तुति के माध्यम से बिहार की इस अनूठी परंपरा को जीवंत कर दिया। बालक-बालिकाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में नदी किनारे छठ घाट का दृश्य साकार किया, जिसे देखकर उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएँ मंत्रमुग्ध हो उठे।इस मौके पर प्रधानाध्यापक सत्यनारायण प्रसाद कुर्मी के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं शिक्षक अमरज्योति, बसंत सिंह, रामाकांत सिंह, चंद्रकिरण सिंह, सुभाष मंडल, शांता उपाध्याय, प्रियंका कुमारी, अर्चना कुमारी, रेणु कुमारी और दीक्षा कुमारी के मार्गदर्शन में बच्चों ने यह भव्य प्रस्तुति दी।प्रधानाध्यापक ने कहा कि "ऐसे कार्यक्रम न केवल हमारी संस्कृति को जीवंत रखते हैं बल्कि बच्चों में सामाजिक और धार्मिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना भी विकसित करते हैं।"विद्यालय परिवार ने बच्चों की सृजनात्मकता और प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे पारंपरिक आयोजनों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

बेहतर कार्य करने वाले किये गये समानित

सम्मानित करते अतिथि

बीएनएम @ बगहा

बगहा अनुमंडल अंतर्गत रामनगर में अनन्त श्री जन सेवा समर्पण फाउण्डेशन के सौजन्य से धनतेरस के शुभ अवसर पर संस्था के लिए बेहतर कार्य और जन सहयोग के लिए मोबाइल अचीवर्स को मोबाइल वितरण किया गया,फाउण्डेशन के निदेशक बृज बिहारी श्रीवास्तव, रितेश भारती और मोहम्मद सफीउल्लाह मीडिया प्रभारी प्रकाश सिंह,अश्वनी सिंह , पत्रकार नवल ठाकुर, गुडडू शर्मा एवं अन्य गणमान्य के द्वारा फाउंडेशन के उज्ज्वल भविष्य और समाज कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया गया। अनन्त श्री जन सेवा समर्पण फाउण्डेशन के निदेशक बृज बिहारी श्रीवास्तव एवं रितेश भारती ने बताया कि अनन्त श्री जन सेवा समर्पण फाउण्डेशन गरीबों असहायों के सहयोग के लिए भोजन वितरण, पर्व त्योहार पर वस्त्र वितरण, ठंड से बचाव के लिए कम्बल वितरण करने की तैयारी किया जा रहा है। आगे शिक्षा और स्वस्थ्य पर भी कार्य किया जाएगा । संस्था का उद्देश्य दलित, आदिवासी, गरीब, वृद्ध महिलाओं और पुरुषों के सहायतार्थ कार्य करने कि तैयारी की जा रही है। अनन्त श्री जन सेवा समर्पण फाउण्डेशन सभी सहयोग करने वाले गणमान्य लोगों, दानवीरों, जन प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करता है जो निरन्तर गरीबों ,असहायों के सहयोग में संस्था का हौसला अफजाई कर रहे हैं।

धनतेरस पर सजी रौनक, जमकर हुई खरीदारी

सामान के खरीदारी करते ग्राहक

बीएनएम @ जमुई/सिमुलतला

धनतेरस के अवसर पर शनिवार को सिमुलतला और टेलवा बाजारों में खूब चहल-पहल रही। सुबह से ही बाजारों में खरीददारों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने शुभ मुहूर्त में सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सजावटी वस्तुएं और दीपावली सामग्री की जमकर खरीददारी की। बाजारों में दीपों की झिलमिलाहट और ग्राहकों की रौनक ने त्योहार का माहौल बना दिया।पूरे दिन बाजारों में रौनक बनी रही। दुकानों पर ग्राहकों की लंबी कतारें लगी थीं। बर्तन और ज्वेलरी दुकानों के बाहर भारी भीड़ देखने को मिली। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक खरीदारी में मग्न रहे। इस दौरान मिठाई दुकानों पर भी जबरदस्त भीड़ रही। लोग धनतेरस के शुभ अवसर पर एक-दूसरे को मिठाई और उपहार भेंट करते नजर आए। सिमुलतला के व्यापारी शैलेन्द्र वर्णवाल, प्रदीप सिंह, कारू वर्मा ने बताया कि इस बार धनतेरस पर पिछले वर्षों की तुलना में बिक्री दोगुनी रही। वहीं टेलवा बाजार के दुकानदारों का कहना है कि लोगों में उत्साह और उमंग देखते ही बन रही थी। भीड़ के बावजूद बाजारों में व्यवस्था और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। शाम होते-होते बाजारों की रौनक और बढ़ गई। हर तरफ रोशनी, मुस्कान और त्योहार की उमंग छाई रही। धनतेरस के शुभ अवसर ने सिमुलतला और टेलवा दोनों बाजारों को सजीव कर दिया मानो हर घर में लक्ष्मी का आगमन हो गया हो।

बगहाः परिवार को जलाने के प्रयास मामले में स्पीडी ट्रायल का आदेश

बीएनएम @ बगहा

न्याय प्रक्रिया तेजः बगहा व्यवहार न्यायालय के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ मानवेंद्र मिश्रा की अदालत ने एक व्यक्ति द्वारा पत्नी और चार बच्चों सहित पांच लोगों को जिंदा जलाने के प्रयास के दर्दनाक मामले में स्पीडी ट्रायल शुरू करने का निर्देश दिया है।न्यायालय ने पुलिस को निर्देश दिया है कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर तारीख पर गवाहों को अदालत में उपस्थित किया जाए।

घटना का विवरणः- यह दिल दहला देने वाली घटना 25 मई 2024 की रात बगहा थाना क्षेत्र के खिरिया मच्छरगांव में हुई थी। आरोपी सरफराज मियां ने तीन अज्ञात साथियों के साथ मिलकर वादी सलामत मियां के घर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी थी। उस वक्त घर में वादी की पत्नी गुड़िया खातून (25) और चार बच्चे (7 वर्ष, 4 वर्ष, 3 वर्ष और 2 वर्ष) सो रहे थे, जो गंभीर रूप से झुलस गए थे। आग से करीब 20 हजार रुपये का सामान भी जल गया था।

विवाद का कारणः- वादी ने बताया कि आरोपी सरफराज उसकी बहन के दूसरे विवाह से नाराज़ था और इसी रंजिश के चलते उसने परिवार को जलाने की धमकी दी थी। घटना से एक दिन पहले भी आरोपी अजहर मियां ने धमकी दी थी।ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया था और घायलों को इलाज के लिए बेतिया रेफर किया गया था। अब अदालत के स्पीडी ट्रायल के आदेश से पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

बिहार भारत के गले का हार : डॉ. मानिक साह

एनडीए प्रत्याशी राम सिंह के नामांकन के बाद उमड़ा जनसैलाब,त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने भरी जीत की हुंकार

बीएनएम @ बगहा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर 04 बगहा विधानसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक राम सिंह ने शनिवार को बगहा अनुमंडल कार्यालय में नामांकन दाखिल किया। नामांकन के पश्चात बिमल बाबू फील्ड मैदान में आयोजित महा आशीर्वाद सह सम्मान समारोह में हजारों कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. मानिक साह ने बिहार की जनता की सराहना करते हुए कहा, मैं त्रिपुरा के माता मंदिर से चंपारण की नौ सीटों की जीत का आशीर्वाद लेकर आया हूं। बिहार भारत के गले की हार के समान है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकास योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि एनडीए सरकार ने सड़कों, पुलों, उज्ज्वला योजना, किसानों को सहायता राशि, फ्री बिजली और महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण जैसी योजनाओं से देश के गरीब वर्ग को मजबूती दी है।इस मौके पर

मंच पर उपस्थित मंचासिन

केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि आज भाजपा सरकार की बदौलत हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज से यात्रा कर रहा है। उन्होंने बगहा के विकास कार्यों को गति देने का वादा किया और जनता से एक बार फिर एनडीए प्रत्याशी को जीताने की अपील की।वर्तमान विधायक राम सिंह ने मंच से अपने पांच वर्ष के कार्यकाल की समीक्षा करते हुए कहा कि यदि किसी स्तर पर कोई भूल हुई हो तो वे जनता से क्षमा चाहते हैं और भविष्य में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम में विजय साहू, ऋतु जयसवाल, अचिंत्य लाला, हृदय दुबे, बिजया सिंह, अजया राय शर्मा, सतीश बर्मा, तुषार सिंह, अमरेश श्रीवास्तव, अमित तिवारी, प्रमोद प्रसाद (काजू) सहित कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

माओवाद का पराभव

यह बहस का मुद्दा है कि माओवाद का पराभव सिर्फ सरकारी नजरिया बदलने के कारण हुआ है, या अतिवादी रणनीति तथा भारतीय राज्य के चरित्र एवं समाज की समझ संबंधी गलतियां माओवादियों को इस मुकाम तक ले आई हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के हाथों भारतीय संविधान की कॉपी ग्रहण कर वरिष्ठ माओवादी नेता मालोजुला वेणुगोपाल राव और उनके 60 अन्य साथियों ने समर्पण कर दिया। इसके साथ ही फड़णवीस ने एलान किया कि उत्तर गढ़चिरौली से माओवाद का खात्मा हो गया है, जबकि दक्षिण गढ़चिरौली में इसका थोड़ा-बहुत प्रभाव बाकी है। उधर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि देश में अब 'वामपंथी चरमपंथ से अति ग्रस्त जिलों' की संख्या महज तीन रह गई है, जबकि 2025 के आरंभ में यह छह थी। साधारण तौर पर 'वामपंथी चरमपंथ से ग्रस्त जिलों की संख्या 18 से घट कर 11 रह गई है। गुजरे एक साल में सैकड़ों माओवादी मारे गए हैं, गिरफ्तार हुए हैं या उन्होंने समर्पण कर दिया है। समर्पण करने वालों में कई बड़े चेहरे शामिल हैं, जिन पर करोड़ों रुपयों का इनाम घोषित था। तो इस तरह भाजपा सरकारें यह कहने की स्थिति में हैं कि 'वामपंथी चरमपंथ को कानून-व्यवस्था की समस्या मानने का उनका नजरिया सही साबित हुआ है। कभी माओवादी पशुपतिनाथ (नेपाल) से तिरुपति (आंध्र प्रदेश) तक लाल कॉरिडोर बनाने के प्रयास में जुटे हुए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 'वामपंथी चरमपंथ को देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। मगर अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह दावा सच होने के करीब है कि फरवरी 2026 तक माओवाद का सफाया हो जाएगा। बहरहाल, यह बहस का मुद्दा है कि माओवाद का यह पराभव सिर्फ सरकारी नजरिया बदलने के कारण हुआ है, या भारतीय राज्य के चरित्र एवं समाज की समझ संबंधी गलतियां माओवादियों को इस मुकाम तक ले आई हैं। विचारणीय है कि क्या राजनीति में अतिवादी दृष्टिकोण अपनाना और भारतीय राज्य के खिलाफ हर सामाजिक विभाजन रेखा का लाभ उठाने की उनकी रणनीति उनके लिए घातक साबित हुई? इस रणनीति के तहत धीरे-धीरे वे पहचान की राजनीति के इर्द-गिर्द गोलबंदी करने की हद तक चले गए, जिससे वे एक बंद गली में पहुंचे।

दीपोत्सव, भारत के हर घर में पहुंचाता है धन, धान्य और सुख

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में दीपोत्सव एक धार्मिक अनुष्ठान होने के साथ ही राष्ट्र की आर्थिक धड़कन भी है। यह महालक्ष्मी दीपोत्सव श्रद्धा, समृद्धि और स्वाभिमान का संगम बना हुआ दिखता है, जिसमें परंपरा और प्रगति एक साथ दीप जला रही हैं। ये प्रकाशमान दीपक भारत की अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक गौरव को भी आलोकित करता है। पिछले साल 2024 में दीपोत्सव के दौरान देशभर में 4.75 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था, जबकि 2025 में यह आंकड़ा 5 लाख करोड़ रुपये को पार करने की दिशा में बढ़ रहा है। कहना होगा कि यह उपभोग का उत्सव भी है और भारत की बढ़ती क्रय शक्ति और आर्थिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। खुदरा बाजारों, ई-कॉमर्स, परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स, मिठाई और ज्वेलरी क्षेत्रों में अभूतपूर्व तेजी देखने को मिली है। इस वृद्धि के केंद्र में आस्था के साथ-साथ एक नई आर्थिक चेतना है जोकि 'स्वदेशी ही समृद्धि का आधार है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान कि "वोकल फॉर लोकल और वोकल को ग्लोबल बनाओ" अब दीपोत्सव के हर दीये में झलकने लगा है। मिट्टी के दीयों, हस्तनिर्मित उपहारों और देशी सजावट सामग्री की मांग में 2025 में 35% की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री मोदी का स्वदेशी संदेश अब एक जनआंदोलन बन गया है; जिससे कुम्हार, बुनकर, हस्तशिल्पी और महिला स्वयं सहायता समूहों को नई पहचान मिली है। जब उपभोक्ता स्वदेशी वस्तु खरीदता है, तो वह केवल उत्पाद नहीं लेता, बल्कि भारत की आत्मा को सशक्त करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने हाल ही में कहा था कि भारत का विकास तभी सार्थक है जब वह 'स्व' के बोध से प्रेरित हो। उनका 'पंच परिवर्तन' जिसमें स्व-चिंतन, स्व-स्वरूप, स्व-भाव, स्व-बल और स्व-कार्य समाहित है, दीपोत्सव की भावना में जीवंत दिखाई देता है। वस्तुतः जब समाज अपने जीवन में भारतीय दृष्टि को अपनाता है, अपने कारीगरों का सम्मान करता है और स्थानीय उत्पादन को प्राथमिकता देता है, तब वह स्वदेशी विकास की दिशा में अग्रसर होता है। दीपोत्सव का हर दीपक इस 'स्व' चेतना का प्रतीक है, जो आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत कर रहा है। अयोध्या दीपोत्सव 2025 इस वर्ष विश्व स्तर पर आकर्षण का केंद्र बना है। सरयू तट पर 28 लाख दीयों से जगमगाने की तैयारी न केवल एक विश्व रिकॉर्ड है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकता और आर्थिक समावेशन का उत्सव भी है। इस आयोजन में 33,000 स्वयंसेवक और हजारों ग्रामीण महिलाएं शामिल हैं, जिन्होंने अपने हाथों से मिट्टी के दीये बनाए हैं। इसके लिए 75 हजार लीटर तेल और 55 लाख रुई की बत्तियाँ तैयार की गई हैं। यह दृश्य केवल धार्मिक भक्ति का नहीं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में जीवंत रोजगार सृजन का प्रमाण है। 2024-25 के आर्थिक वर्ष में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.4% से लेकर 9.8% तक भी पहुंचती हुई दिखी। वैश्विक मंदी के बावजूद भारत की आंतरिक मांग और उपभोग ने अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखा। त्योहारी सीजन में खुदरा बिक्री, एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और रियल एस्टेट में 12–15% की वृद्धि हुई है। डिजिटल भुगतान में भी तीव्र उछाल देखा गया, दीपोत्सव सप्ताह में यूपीआई लेनदेन 18% बढ़े। यह दिखाता है कि भारत की आर्थिक गति अब पूरी तरह तकनीकी और सांस्कृतिक दोनों आधारों पर टिकी है। ग्रामीण भारत दीपोत्सव की आत्मा है। कुम्हारों के चाक से निकले मिट्टी के दीये और गांवों के हस्तनिर्मित उत्पाद इस पर्व के आर्थिक मूल हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लाखों कारीगरों ने इस वर्ष बाजारों को उजाला दिया। उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों से 5 लाख दीयों का निर्माण करवाया, जिससे ग्रामीण महिलाओं की आमदनी और आत्मनिर्भरता दोनों बढ़ीं। यह वही विचार है जो प्रधानमंत्री मोदी के 'ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण' और भागवत जी के 'स्व-कार्य' सिद्धांत से मेल खाता है। मुद्रास्फीति इस वर्ष औसतन 4.9% रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक की सीमा के भीतर है। हालांकि खाद्य मुद्रास्फीति 8.4% तक पहुँची, लेकिन त्योहारी उपभोग और बढ़ते व्यापारिक प्रवाह ने आर्थिक स्थिरता बनाए रखी। दीपोत्सव जैसे अवसर न केवल उपभोग को बढ़ाते हैं, बल्कि सरकार के राजस्व संग्रह में भी सहायक सिद्ध होते हैं। अक्टूबर-नवंबर के महीनों में जीएसटी संग्रह में लगभग 13% की वृद्धि हुई, जो बताती है कि उत्सव काल भारत की आर्थिक प्रणाली को मजबूत करता है। दीपोत्सव का सबसे बड़ा सामाजिक प्रभाव रोजगार सृजन के रूप में सामने आया है। इस सीजन में रिटेल सेक्टर, डिलीवरी सेवाओं, सजावट उद्योग और पर्यटन में लगभग 12 लाख अस्थायी नौकरियाँ सृजित हुई हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि सांस्कृतिक उत्सव सिर्फ भावनात्मक नहीं है, ये रोजगार आधारित आर्थिक गतिविधि बन चुके हैं। अकेले अयोध्या में पर्यटन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अनुमान है कि दीपोत्सव सप्ताह में 25 लाख से अधिक पर्यटक यहां आएंगे। होटल, परिवहन, खाद्य और स्थानीय व्यापार में 20–25% तक की आमदनी बढ़ने की संभावना है। इससे स्पष्ट है कि अयोध्या दीपोत्सव अब धार्मिक पर्यटन से आर्थिक विकास की दिशा में अग्रसर है। इसी तरह से उज्जैन के महाकाल लोक, काशी विश्वनाथ जैसे अनेक मंदिर परिसरों में लाखों भक्त इन दिनों पहुंच रहे हैं। ऐसे में कहना होगा कि ये वही मॉडल है जिसे प्रधानमंत्री मोदी 'संस्कृति आधारित अर्थनीति' कहते हैं; जहां परंपरा, पर्यटन और व्यापार एक-दूसरे को सशक्त करते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दीपोत्सव की आभा फैल रही है। ब्रिटेन, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में भारतीय दूतावासों और प्रवासी भारतीय समुदायों द्वारा दीपोत्सव मनाया जा रहा है। यह भारत की सॉफ्ट पावर का जीवंत उदाहरण है, जिसने दुनिया में भारतीय संस्कृति की स्वीकृति और सम्मान को नई ऊँचाई दी है। अब दीपोत्सव केवल भारत का नहीं रह गया है, आज यह के वक्त में यह वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है जो विश्व को यह संदेश देता है कि आध्यात्मिकता और आर्थिकता एक-दूसरे के पूरक हैं। दीपोत्सव 2025 में भारत के विकास मॉडल के रूप में आज सभी के सामने है; एक ऐसा मॉडल जो पश्चिमी उपभोगवाद से भिन्न, भारतीय मूल्य-आधारित समृद्धि पर आधारित है। प्रधानमंत्री मोदी का 'वोकल फॉर लोकल', मोहन भागवत जी का 'स्व' दर्शन और भारत की जनशक्ति मिलकर एक नया आर्थिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण निर्मित कर रहे हैं। यह दृष्टिकोण बताता है कि जब समाज आत्मनिर्भरता, सहकारिता और स्वाभिमान की भावना से प्रेरित होता है, तब विकास राष्ट्र में स्वभाविक रूप से दिखाई देता है। महालक्ष्मी दीपोत्सव 2025 इस बात का सजीव प्रमाण है कि भारत आज आस्था से आत्मनिर्भरता और संस्कृति से अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। 5 लाख करोड़ रुपये की आर्थिक सक्रियता, 28 लाख दीयों की आभा, 25 लाख पर्यटकों की उपस्थिति और 12 लाख रोजगारों की सृजनात्मक ऊर्जा यह सब भारत के नवोन्मेषी आत्मविश्वास का परिचायक है। जब हर घर का दीपक जलता है, तो केवल प्रकाश ही नहीं फैलता, बल्कि भारत की प्रगति, स्वदेशी चेतना और सांस्कृतिक गौरव भी दमक उठते हैं। दीपोत्सव पूजा का पर्व तो है ही साथ में यह आज हमें भारत की आर्थिक चेतना, सांस्कृतिक एकता और आत्मविश्वासी भविष्य का उत्सव बनकर सामने आता हुआ दिखता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जब श्रद्धा और स्वदेशी भावना एक साथ प्रज्वलित होती हैं, तो प्रकाश केवल दीयों में नहीं राष्ट्र की प्रत्येक चेतना से प्रवाहित होता है।

परम तेजोमय दीपशिखा

हृदयनारायण दीक्षित

संसार का सर्वोत्तम प्रकाशरूपा है। छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार "सृष्टि का समस्त सर्वोत्तम और पुरूषोत्तम प्रकाशरूपा है। एक ही प्रकाश भिन्न-भिन्न रूपों प्रतिरूपों में दीप्त होता है, चमकता है और 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' होता है।" सूर्य परम तेजोमय हैं, वे स्थावर और जंगम की आत्मा है। वे भी सहस्त्र आयामी प्रकाशरूपा हैं। गीता के अर्जुन ने विश्वरूप देखा, उसके मुंह से शब्द फूटे "दिव्य सूर्य सहस्त्राणि-सहस्त्रों सूर्यो का प्रकाश एक साथ जगमगा उठा।" उपनिषद् के ऋषियों ने परमसत्ता की अनुभूति को प्रकाशरूप ही पाया। कठोपनिषद् (2.2.15), मुण्डकोपनिषद् (2.2.10) व श्वेताश्वतर उपनिषद् (6.10) में एक साथ गाए गए मंत्र में कहते हैं "न तत्र सूर्यो भाति, न चन्द्रतारकम/ नेमा विद्युतो भान्ति कुतोऽयंमग्नि-वहां न सूर्य चमकते हैं और न चांद तारे। बिजली भी नहीं, अग्नि की बात है क्या है?" बताते हैं "तमे भान्तमनुभाति सर्वं उसी के प्रकाश से यह सब प्रकाश है। तस्य भासा सर्वम् इदं विभाति-उसी की दीप्ति से यह सब प्रकाशित हैं। हम भारत के लोग उत्सवप्रिय हैं। एक उत्सव प्रकाश दीप्ति के लिए। दीपोत्सव भारत का प्रकाश पर्व है। क्यों न हो? अंधकार अज्ञान है। प्रकाश ज्ञान का उपकरण है, प्रकाश और ज्ञान पर्यायवाची हैं। प्रकाश अमरत्व है, अज्ञान मृत्यु। वृहदारण्यक उपनिषद् (1.3.28) के ऋषि की प्रार्थना है, "असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्माऽमृतं गमयेति - हम असत् से सत्, तमम से ज्योति और मृत्यु से अमरत्व की ओर चलें।" भारत की ज्योतिर्गमय आकांक्षा चिरन्तन है। ऋग्वेद (10.156.4) के ऋषि अग्नि की स्तुति में आह्लादित हैं "अग्नि ने अमर सूर्य को जन-जन को प्रकाश देने के लिए ही आकाश में स्थापित किया है।" ज्योति सनातन मानवीय आकांक्षा है। अग्नि ज्योतिरूप हैं। ज्योति हमारी चिरंतन अभीप्सा है। पूर्वजों ने जहां जहां ज्योति पुंज देखे, प्रणाम किया, स्तुतिवाचन किया, दिव्यता की अनुभूति पाई, देवता की प्रतीति मिली। जहां जहां ज्योतिर्गमय प्रकाश, वहा वहां दिव्यता और वहां-वहां देवता। सूर्य अखण्ड प्रकाश पुंज है। वे सविता देव हैं। ऋग्वेदकालीन विश्वामित्र ने सविता का प्रकाश देखा, दर्शन किया, उनके मुंह से गायत्री फूटी "तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो योनः प्रचोदयात्-हम बुद्धि को प्रेरित करने वाले सविता देव के वरण करने योग्य दिव्य प्रकाश तेज को धारण करते हैं।" (ऋ0 3.62.10) प्रकाश दिव्य है, बुद्धि प्रकाशक है, तेज पुंज भी हैं। हम भा-रत हैं। भा अर्थात प्रकाश, रत यानी संलग्न। सो सूर्य को नमस्कार हमारी संस्कृति है। हम चन्द्र को अर्घ्य देकर पूजते हैं। अंधकार सूर्य से नहीं लड़ पाता लेकिन यही अंधकार चन्द्र से लड़ता है। प्रकाश और अंधकार का संघर्ष सनातन है। पूर्णिमा के दूसरे ही दिन से चांद घटने लगता है और अमावस तक रोजाना घटता है। अमावस परिपूर्ण तमस रात्रि है। अगले दिन से अंधकार पिटता है, प्रकाश बढ़ता है, 15 दिन बाद पूर्णिमा आती है। पूनो (पूर्णिमा) का चन्द्र पूरी आभा, प्रभा दीप्ति और प्रीति के साथ खिलता है। भारत ने प्रत्येक पूर्णिमा को उत्सव बनाया। अषाढ़ पूर्णिमा का चन्द्र बादलों से भी ढकता है। लेकिन उन्मुक्त चमकता है सो इस रात गुरू पूर्णिमा। श्रावण की पूर्णिमा रक्षाबंधन होती है लेकिन शरद् चन्द्र का क्या कहना? बहुत दूर आसमान में बैठा शरद् चन्द्र धरती की प्रीति में अमृतघट उलीचता है, भारत ने शरद् पूनो के चन्द्र को बहुत ज्यादा प्यार किया है। शरद् पूर्णिमा का प्रकाश-रास बनता है। शरदकाल वैदिक ऋषियों की प्रीति रहा है। वे सौ शरद् जीने के अभिलाषी थे-जीवेम शरदं शतं्। सौ शरद् देखना भी चाहते थे-पश्येम शरदं शतं्। शरद् पूर्णिमा की रात रस, गंध, दीप्ति, प्रीति, मधु, ऋत और मधुआनंद तो 15 दिन बाद झमाझम दीपमालिका। भारत ने इसी तमस् रात्रि को प्रकाश पर्व बनाया। जहां जहां तमस् वहां वहां प्रकाश-दीप। शरद चन्द्र का झकास-प्रकाश प्रकृति की अनुकम्पा है तो दीपोत्सव मनुष्य की कर्मशक्ति का रचा गढ़ा तेजोमय प्रकाश है। प्रकाश ज्ञानदायी और समृद्धिदायी भी है। कार्तिकी अमावस का अंधकार प्रकाश की अनुपस्थिति ही नहीं होता। यह अस्तित्वगत होता है, अनुभूति प्रगाढ़ हो तो पकड़ में आता है। गजब के द्रष्टा थे हमारे पूर्वज। उन्होंने इसी रात्रि को अवनि अम्बर दीपोत्सव सजाये। भारत इस रात केवल भूगोल नहीं होता, राज्यों का संघ नहीं होता, इस या उस राजनैतिक दल द्वारा शासित भूखण्ड नहीं होता। भारत इस रात 'दिव्य दीपशिखा' हो जाता है। भारत का मन पुलक में होता है, आमोद प्रमोद और परिपूर्ण उत्सवधर्मा होता है। वातायन मधुमय होता है। वातायन में शीत और ताप का प्रेम प्रसंग चलता है। दीपपर्व लक्ष्मी आराधना की मुहूर्त है। लक्ष्मी धन की देवी हैं। वे धन देती हैं, समृद्धि देती हैं, 'शुभ लाभ' देती हैं। पश्चिमी अर्थशास्त्र में उद्यमी को साहसी बताया गया है। वह साहस करता है, कारखाना वगैरह लगाता है। लाभ उद्यमी के साहस का प्रतिफल है। 'शुभ लाभ' भारतीय चिन्तन का विकास है। लाभ में श्रमिक का शोषण, टैक्सचोरी और भ्रष्टाचार भी शामिल है। 'शुभ लाभ' ईमानदार उद्यमी का हिस्सा है। पुराणों की तुलना में ऋग्वेद का समाज अतिप्राचीन है। समृद्धशाली भी है। यहां एक देवी 'अलक्ष्मी' (10.15.5) हैं, उनसे स्तुति है "आप विकृतरूपा हैं अकाल लाती हैं, ये देवी हमसे दूर रहें।" यहां धन समृद्धि भी देवता (ऋ0 10.117) हैं, "सामान्य धनी दोगुनी, तीन गुनी और चार गुनी सम्पत्ति चाहते हैं लेकिन धन का निजी हित में प्रयोग करने वाले पापी हैं।" यहां धन के सामाजिक उपयोग पर जोर है। ऐसा धन ही वस्तुतः शुभ लाभ है। सांस्कृतिक मर्यादा से हटने के कारण शुभ लाभ की परम्परा समाप्त हो गयी। लेकिन लक्ष्मी भी मनमाना आचरण नहीं कर सकती। ऋग्वेद के देवता विष्णु विराट है, वामन भी है। विष्णु 'शांतकारं भुजग शयनं' हैं। श्रीलक्ष्मी विष्णु के श्रीचरण दबाती हैं। सापों पर भी शान्त रहकर मजे से विश्राम करने वाले के पैर लक्ष्मी के अलावा कौन दबा सकता है? प्रतीकों के अपने रहस्य है, नीराजन और आराधन के अपने आनंद हैं। दीप पर्व में सबके सब एक जगह मिल जाते हैं। दीप मंगल मुहूर्त का प्रतीक है। यह प्रत्येक शुभ कर्म का श्रीगणेश है। अथर्ववेद के विराट सूक्त (8.9) में कहते हैं "इयमेव सा या प्रथमा व्योच्छदास्वितरासु-यही वह है जो प्रथम बार (सृष्टि पूर्व) प्रकाशित हुआ।" ऋग्वेद के गणपति कवि हैं, विद्वान है लेकिन यजुर्वेद के गणपति 'निधिपति' भी है-निधीनां त्वा निधिपति। पुराणों वाले गणपति शंकर सुवन है। वे लम्बोदर हैं। चतुर भी हैं। कार्तिकेय पिछड़ गये, वे ईमानदारी से पूरी दुनिया घूमे, गणेश ने मां-बाप का चक्कर लगाया, कहा मां-बाप में ब्रह्माण्ड है। चूहा उनका वाहन है। लेकिन ऋग्वेद से लेकर सम्पूर्ण प्राक् साहित्य में वे प्रकाण्ड विद्वान है। गणेश गण-प्रथम है, आदि देव हैं सो अपने पिता शंकर की बारात में है। भारत का मन देवताओं में रमता है, कर्म में तपता है। देव प्रतीति आत्म अनुभूति देती है, निराशा में आशा देती है। इसलिए देवकथाओं में संगति बैठाने की कोशिश बेकार है। दीप-उत्सव का दीप प्रकाश पुंज है और उत्सव है अतिरिक्त आनंद का अतिरेक।

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें, जल्द ही भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक-दूसरे पर विश्वास बनाए रखें, रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी। छात्रों को थोड़ी और मेहनत की जरूरत है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा। स्टूडेंट अपने आप पर भरोसा बनाए रखें, जल्द ही सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें, इससे बना बनाया काम बिगड़ सकता है। मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं। किसी के प्रति प्रतिशोध की भावना न रखें। जैसी आपकी सोच रहेगी, वैसे ही अनुभव मिलेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक चलेंगी। काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे। आत्मविश्वास बनाए रखें। अवसर मिलने पर उसका फायदा उठाएं। काम पर ध्यान बनाए रखें। जीवनसाथी घर के कार्यों में मदद करेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा। पब्लिक प्लेस पर छवि खराब न होने दें। लवमेट के रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को बड़ा मुनाफा होगा। पिता से कुछ नया सीखने का मौका मिलेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। बातचीत के दौरान अपनी निजी बातें शेयर न करें। जिस काम की शुरुआत करेंगे, वह समय पर पूरा होगा। कोर्ट से संबंधित कोई मामला चल रहा है तो उसके सुलझने की पूरी उम्मीद है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी और सीनियर आपके काम से खुश रहेंगे और तारीफ करेंगे। सभी जरूरी काम आसानी से पूरे होंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।छोटी-छोटी परेशानियां जल्द दूर होंगी। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। व्यापार में मिली जिम्मेदारियों को सफलता से निभाएंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा। समाज में किये गए कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई विश पूरी होगी जिससे खुशी मिलेगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे। स्वयं को साबित करने के लिए बेहतर दिन है। परिवार में सामंजस्य से शांति का माहौल रहेगा।

मीन राशिः आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा। अफवाहों पर ध्यान न दें। ऑफिसियल यात्रा संभव है, जो शुभ होगी। जीवनसाथी के साथ डिनर प्लान करेंगे। छात्रों के लिए सफलता का दिन साबित होगा, बस थोड़ी और मेहनत करें।

मारिया की राजनीति और राहुल गांधी की सियासी उलझन

हरीश शिवनानी

वैश्विक राजनीति अक्सर ऐसी जटिल उलझनें पैदा कर देती है जहाँ सिद्धांत और व्यावहारिक राजनीति के बीच का अंतर पेचीदा हो जाता है। नोबेल शांति पुरस्कार 2025 विजेता वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो और भारत के कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर दिलचस्प परिदृश्य उत्पन्न हो गया गया है। मारिया अपने देश में सरकार के खिलाफ, लोकतंत्र, मतदान में धांधली, भ्रष्टाचार आदि को लेकर संघर्ष कर रही है। कांग्रेस और राहुल गांधी उनकी इस राजनीति की सराहना करते हैं क्योंकि ऐसा ही वे भारत में अपनी राजनीति में करने का दावा करते हैं। कांग्रेसी मारिया और राहुल को एक ही डाल का पंछी मानते हैं। यहाँ तक कि कांग्रेस के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने तो राहुल गांधी के लिए भी नोबेल की मांग कर डाली। वे मारिया को राहुल गांधी की समर्थक मानते हैं। मारिया ने एक बार राहुल गांधी की तारीफ में ट्वीट भी किया था। दूसरी ओर वास्तिवकता यह है कि राहुल गांधी और कांग्रेस की सियासत और मारिया की राजनीति एवं विचारधारा में गहरा अंतर्विरोध है। यह अंतर्विरोध ही राहुल और कांग्रेस के लिए जटिल उलझन और गले की फांस बन गया गया है। मारिया की राजनीति अपनी जगह उनके लिए मुफ़ीद है लेकिन राहुल गांधी की सियासत अलग है। मारिया को नोबेल की घोषणा करते हुए नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने उन्हें 'लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही के खिलाफ अथक प्रयास' के लिए सराहा। हालांकि, मचाडो की धुर दक्षिणपंथी विचारधारा-जिसमें डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन, इजराइल की नीतियों की पक्षधरता और आर्थिक निजीकरण की वकालत शामिल है- ने कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए पसोपेश वाली स्थिति पैदा कर दी है। मारिया कोरिना मचाडो का राजनीतिक उदय वेनेजुएला की समाजवादी सरकारों के खिलाफ प्रतिरोध पर आधारित है। 1967 में जन्मी मचाडो, एक पूर्व सांसद और इंजीनियर, 2012 से विपक्षी गठबंधन की प्रमुख रही हैं। उन्होंने ह्यूगो चावेज़ और निकोलास मादुरो की सरकारों पर चुनावी धांधली, भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोप लगाए। ऐसा ही राहुल गांधी भारत में भाजपा सरकार के ख़िलाफ़ करते हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में मादुरो सरकार ने मारिया को अयोग्य घोषित कर दिया, जिसके बाद उन्होंने एडमुंडो गोंजालेज़ को समर्थन देकर विपक्ष को एकजुट किया। इन प्रयासों ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाई, जिसमें अमेरिकी प्रतिबंधों और विदेशी सहायता की मांग शामिल थी। मारिया की विचारधारा की अपनी राजनीति है। उन्होंने अपना पुरस्कार ट्रम्प को समर्पित करते हुए उन्हें 'हमारे संघर्ष का निर्णायक समर्थक' बताया। मारिया ने अपने देश में अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप की भी वकालत की, जिससे वेनेजुएला में आर्थिक संकट बढ़ा। इजराइल के प्रति उनका रुख साफ है। उन्होंने इजराइल को 'स्वतंत्रता का सच्चा सहयोगी' कहा और गाजा संघर्ष में इजराइली कार्रवाइयों का समर्थन किया। इसके अलावा, मचाडो राज्य तेल कंपनी पीडीवीएसए के निजीकरण की भी पक्षधर हैं, जो समाजवादी विचारधारा के विपरीत है। इस बीच मारिया को नोबेल की घोषणा होते ही भारत में कांग्रेस ने मारिया के पुरस्कार को अपने राजनीतिक नैरेटिव से जोड़ने का प्रयास किया। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि "मारिया ने

वेनेजुएला में लोकतंत्र के लिए जो संघर्ष किया, वही राहुल गांधी भारत में कर रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने सोशल मीडिया पर मचाडो की तुलना राहुल गांधी से की, उन्हें 'संविधान बचाने का योद्धा' बताते हुए उनके लिए भी नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। यह तुलना कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है, जहां राहुल गांधी को चुनावी धांधली, संस्थागत क्षरण और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मुखर दिखाया जाता है। विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखें तो यह नैरेटिव बहुत सतही है और राहुल तथा मारिया के बीच वैचारिक विरोधाभासों को अनदेखा करता है। कांग्रेस की ऐतिहासिक विचारधारा समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और साम्राज्यवाद-विरोध पर टिकी है। पार्टी ने फिलिस्तीन मुद्दे पर हमेशा समर्थन दिया, जो उसके मुस्लिम मतदाता आधार और वामपंथी सहयोगियों से जुड़ा है। मारिया का इजराइल-समर्थक रुख कांग्रेस की नीतियों से सीधा टकराव पैदा करता है। कांग्रेस ने गाजा हमलों की निंदा की है, जबकि मारिया ने इजराइल को 'स्वतंत्रता का सहयोगी' बताया। इसी प्रकार, मचाडो का ट्रम्प समर्थन कांग्रेस के लिए असहज है, जिसने भाजपा पर 'ट्रम्प-मोदी गठजोड़' के आरोप लगाए हैं। मचाडो की निजीकरण नीति भी कांग्रेस की समाजवादी नीति के विपरीत है। विश्लेषणात्मक रूप से, ये अंतर्विरोध कांग्रेस की वैचारिकता को चुनौती देते हैं। यदि कांग्रेस मारिया का समर्थन जारी रखती है, तो यह उसके वोट बैंक और सहयोगी दलों में दरार डाल सकती है, विशेष रूप से मुस्लिम और वामपंथी समूहों में, जहां मचाडो को 'इजराइल-समर्थक' माना जाता है। यदि पार्टी मचाडो का समर्थन करती है, तो वह वैचारिक समझौता करेगी, जिससे वोट बैंक दरक सकता है- उदाहरण के लिए, 2024 चुनावों में मुस्लिम वोटों का करीब 70 प्रतिशत कांग्रेस को मिला था। यदि मौन साधती है या आलोचना करती है, तो भाजपा इसे 'लोकतंत्र-विरोधी' बताकर प्रचार करेगी। राहुल गांधी की व्यक्तिगत स्थिति और भी जटिल है; वे न तो पूर्ण समर्थन कर पा रहे हैं और न विरोध। यह गहन दुविधा, जटिल उलझन कांग्रेस की रणनीतिक कमजोरी को उजागर करती है। राजनीतिक विश्लेषण की दृष्टि से उनके मारिया कोरिना मचाडो का नोबेल पुरस्कार लोकतंत्र संघर्ष को मान्यता तो देता है लेकिन यह वैचारिक जटिलताओं को भी सामने लाता है। कांग्रेस के लिए यह एक अवसर था जो दुविधा में बदल गया और गले की फांस बन गया जिससे निपटना बहुत मुश्किल है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रच सकते हैं किंग कोहली

एजेंसी, नई दिल्ली

148 साल पुराने रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर क्रिकेट मैदान पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद वह 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने वाले हैं। इस मैच में कोहली के निशाने पर वह ऐतिहासिक रिकॉर्ड होगा जो 148 साल के क्रिकेट इतिहास में आज तक कोई भी खिलाड़ी नहीं बना पाया है।

यह रिकॉर्ड है एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का। फिलहाल विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर इस रिकॉर्ड पर संयुक्त रूप से बराबरी पर हैं। दोनों के नाम एक फॉर्मेट में 51-51 शतक दर्ज हैं। सचिन ने यह उपलब्धि टेस्ट क्रिकेट में हासिल की थी, जबकि कोहली ने वनडे फॉर्मेट में।

अगर विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में सिर्फ एक शतक भी बना देते हैं, तो वह 52 शतक के साथ विश्व क्रिकेट के इतिहास में यह अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। वह पहले ऐसे बल्लेबाज बन जाएंगे जिन्होंने किसी भी एक फॉर्मेट में 52 शतक जड़े हों। सचिन तेंदुलकर ने 2010-11 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट में 51वां शतक लगाया था और यह रिकॉर्ड लंबे समय तक अटूट रहा। वहीं, कोहली ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार शतक जड़कर इस रिकॉर्ड की बराबरी की थी। अब पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे उनके लिए ऐतिहासिक साबित हो सकता है।

गौरतलब है कि विराट कोहली अब टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने वनडे फॉर्मेट को ही अपने करियर का केंद्र बनाया है। यही कारण है कि वह इस फॉर्मेट में अपनी फिटनेस और फॉर्म बनाए रखने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट अब 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी कर रहे हैं, और उम्र को देखते हुए विराट कोहली और रोहित शर्मा को उस टूर्नामेंट की योजना में प्रमुख रूप से शामिल नहीं कर रहे हैं। इसी वजह से वनडे टीम की कप्तानी भी रोहित शर्मा से वापस ली जा चुकी है।

हालांकि, ऑस्ट्रेलिया हमेशा से विराट कोहली का पसंदीदा मैदान रहा है। उन्होंने यहां कई यादगार पारियां खेली हैं। ऐसे में यह सीरीज उनके लिए न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ने का बल्कि आलोचकों को गलत साबित करने का भी सुनहरा मौका होगी। क्रिकेट फैंस की निगाहें अब 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम पर टिकी हैं जहां किंग कोहली एक बार फिर बल्ले से इतिहास लिखने उतरेंगे।

कैंसर को हराकर मैदान में लौटेगें ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर निक मैडिन्सन

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर निक मैडिन्सन ने इस साल की शुरुआत में पता चले वृषण (टेस्टिक्युलर) कैंसर का इलाज कराया और वे इस समय पूरी तरह स्वस्थ होकर क्रिकेट में वापसी करने को तैयार हैं। 33 वर्षीय इस बल्लेबाज ने खुलासा किया कि मार्च में टीम से बाहर होने के कुछ ही समय बाद उन्हें यह बीमारी मिली थी, जिसने उनकी जिंदगी को पूरी तरह झकझोर दिया। मैडिन्सन ने तीन टेस्ट और छह वनडे मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है और वर्तमान में न्यू साउथ वेल्स टीम का हिस्सा हैं।

मैडिन्सन ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, "जब डॉक्टरों ने बताया कि मुझे कीमोथेरेपी करनी होगी, तो अंदर से हिल गया था। कैंसर मेरे पेट के लिम्फ नोड्स और फेफड़ों तक फैल चुका था। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर था।" उन्होंने बताया कि कीमोथेरेपी के शुरुआती हफ्तों में उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर भारी चुनौती झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा, "दूसरे या तीसरे हफ्ते तक मेरे सारे बाल झड़ गए। स्टेरॉयड की वजह से रातभर नींद नहीं आती थी। थकान इतनी थी कि लगता था बस सोता ही रहूँ। वो नौ हफ्ते मेरे जीवन के सबसे लंबे और कठिन दिन थे।" इस कठिन दौर में उनकी पत्नी बियांका, जो उस समय अपने दूसरे बच्चे के साथ गर्भवती थीं, उनकी सबसे बड़ी ताकत बनीं। मैडिन्सन ने बताया, "यह हमारे परिवार के लिए बेहद मुश्किल समय था, लेकिन बियांका ने मुझे टूटने नहीं दिया और लगातार मजबूत बने रहने के लिए प्रेरित किया। उनके प्यार और सपोर्ट ने मुझे लड़ने की ताकत दी।" अब मैडिन्सन पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के साथ ट्रेनिंग शुरू कर दी है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा, "अगर अपने शरीर में कुछ असामान्य महसूस हो, तो तुरंत जांच कराएं। जल्द पहचान ही सबसे बड़ा इलाज है।" मैडिन्सन का लक्ष्य अब क्रिकेट में अपनी जगह फिर से बनाना है और उन्होंने कहा कि वह अब नई ऊर्जा और नए नजरिए के साथ खेलना चाहते हैं। उनके इस साहस और जुझारूपन ने ना सिर्फ उनके फैंस को प्रेरित किया है, बल्कि स्वास्थ्य और आत्मविश्वास के महत्व को भी उजागर किया है।

खिलाड़ियों को विदेशी लीग में खेलने की अनुमति दी जाये शास्त्री

एजेंसी, मुम्बई

भारत में क्रिकेटरों को संन्यास के बाद ही विदेशी लीग में खेलने की अनुमति मिलती है। वहीं पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि सक्रिय खिलाड़ियों को भी अन्य देशों की तरह ही विदेशी लीग में खेलने की अनुमति मिलनी चाहिये। शास्त्री के अनुसार इससे खिलाड़ियों को अलग-अलग प्रकार के हालातों में खेलने का अनुभव मिलेगा। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी अपनी सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी टी20 लीग में खेलने की अनुमति नहीं देता। भारतीय क्रिकेटरों को विदेशी लीग में खेलने से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों के अलावा घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से भी संन्यास लेना होता है। इसके बाद ही बोर्ड से उन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलता है। अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन हाल ही में बिग बैश लीग (बीबीएल) में शामिल होने हुए हैं। इसी के बाद शास्त्री ने कहा, ''भारत एक काफी बड़ा देश हैं जहां काफी संख्या में क्रिकेटर निकलते हैं। हर किसी को खेलने का अवसरी नहीं मिलता, हर कोई सफल नहीं हो पाता। अगर कोई खिलाड़ी टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सकता, लेवल सी या लेवल डी का अनुबंध नहीं पा सकता, तो उसे बिग बैश लीग में खेलने से नहीं रोका जाना चाहिये।'' उन्होंने कहा, '' विदेशी लीग में खेलने का अनुभव उनके लिए आईपीएल की तरह ही फायदेमंद रहेगा। उन्हें विदेशी लीग में अंतरराष्ट्री स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलने का अनुभव मिलेगा।''शास्त्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलने और कोचिंग स्टाफ में शामिल पूर्व क्रिकेटरों से भी युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

विश्व कप फुटबॉल के लिए टिकटों की भारी मांग, अब तक 10 लाख से अधिक बिके

एजेंसी, मियामी

अगले साल होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि अब तक इसके 10 लाख से अधिक टिकट बिक गये हैं। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने इस महीने की शुरुआत में ही विश्वकप के लिए टिकटों की बिक्री शुरू की थी पर कुछ ही समय में लाखों टिकट बिक गयी हैं। इसमें सबसे अधिक मांग विश्वकप के मेजबान देशों अमेरिका, कनाडा और मैक्सिकों से रही। फीफा के अनुसार अब तक 212 अलग-अलग देशों और क्षेत्रों के लोगों ने टिकट खरीदे हैं। अभी टूर्नामेंट के लिए 48 में से केवल 28 ही टीम तय हुई हैं। फीफा ने कहा कि सबसे अधिक टिकट खरीदने के मामले में इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील, स्पेन, कोलंबिया, अर्जेंटीना और फ्रांस के लोग भी शामिल हैं। विश्वकप 11 जून से 19 जुलाई तक चलेगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, 'दुनिया भर की राष्ट्रीय टीमें ऐतिहासिक फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और मुझे खुशी है कि इतने सारे फुटबॉल प्रेमी भी उत्तरी अमेरिका में इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'यह सुखद बात है कि इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे समावेशी फीफा विश्व कप दुनिया भर के समर्थकों का ध्यान खींच रहा है।

महिला टी20 में किरण नवगिरे ने 34 गेंद में लगाया शतक, रचा इतिहास

इस मैच में महाराष्ट्र ने पंजाब को आठ ओवर पहले ही हरा का मजा चखाया

एजेंसी, नागपुर

भारतीय टीम और महाराष्ट्र की सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे ने इतिहास रच दिया है। नवगिरे ने महिला टी20 में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। शुक्रवार को महिला खेले गए टी20 ट्रॉफी में नवगिरे ने 34 गेंद पर शतक ठोका। शुक्रवार को महिला टी20 ट्रॉफी में नवगिरे ने 34 गेंदों में शतक लगाया और 35 गेंदों पर 106 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। नवगिरे का शतक 300 से ज्यादा स्ट्राइक रेट वाली एकमात्र महिला टी20 शतक है। इस पारी की बदौलत महाराष्ट्र ने पंजाब को आठ ओवर पहले ही हरा दिया। पूर्व में महिला टी20 का सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के नाम था। डिवाइन ने जनवरी 2021 में ओटागो के खिलाफ वेलिंगटन के लिए 36 गेंदों पर शतक लगाया था। उस पारी में डिवाइन ने 38 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए थे। नवगिरे के सामने पंजाब की गेंदबाज बेहद साधारण और असहाय नजर आईं। नवगिरे की आक्रामकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दूसरे विकेट के लिए मुक्ता नागरे के साथ उन्होंने 103 रन की नाबाद साझेदारी खेली। इसमें मुक्ता के सिर्फ 6 रन थे। नवगिरे ने अपनी पारी में 14 चौके और सात छक्के लगाए। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के मिरे की रहने वाली नवगिरे ने पहली बार महिला टी20 ट्रॉफी के 2022 संस्करण में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था, जब उन्होंने नागालैंड के लिए 35 छक्के लगाए थे। वह अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 76 गेंदों में 162 रनों की पारी के दौरान महिला टी20 मैच में 150 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाली पहली भारतीय भी बनीं। बड़े शॉट लगाने की क्षमता ने नवगिरे को 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ चेस्टर ली-स्ट्रीट में भारत के लिए डेबू करने का मौका दिलाया था। अक्टूबर 2022 में खेले गए महिला एशिया कप के बाद से उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली है। वह भारत के लिए छह मैच खेल चुकी हैं। विमेंस प्रीमियर लीग में वह यूपी वॉरियर्स के लिए खेलती हैं और तीन सीजन की 24 पारियों में 419 रन बना चुकी हैं। नवगिरे भविष्य में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की तरह बनना चाहती हैं।

व्यापार

जीएसटी सुधारों को जनता ने बेहतर तरीके से अपनाया : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जीएसटी सुधारों को देश की जनता ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। जीएसटी 2.0 की शुरुआत नवरात्रि के पहले दिन की गई थी। लोगों ने इसे बेहद अच्छे तरीके से अपनाया है। नई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 दरें लागू होने के करीब एक महीने बाद वित्त मंत्री सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आईटी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने धनतेरस पर यहां एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। सीतारमण ने बताया कि इन कटौतियों से भारतीयों को कैसे लाभ हुआ है। जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार जिन 54 दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कड़ी नजर रख रही है, उनमें से प्रत्येक में जीएसटी सुधारों के कारण कर लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचाया गया है। जीएसटी दर में कटौती और इसके लाभों पर वित्त मंत्री ने कहा, "ऑटोमोबाइल क्षेत्र जीएसटी दर में कटौती के बारे में मुखर रहा है जिससे बिक्री में वृद्धि हुई है। तीन पहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़कर 84077 इकाई हो गई। उन्होंने सुधारों के सकारात्मक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला और सभी क्षेत्रों में वाहनों की मजबूत बिक्री का जिक्र किया। सीतारमण ने कहा कि तिपहिया वाहनों की बिक्री साल-दर-साल 5.5 फीसदी बढ़ी, जबकि दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.6 लाख इकाई तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि सितंबर में अकेले यात्री वाहनों की बिक्री 3.72 लाख

रही, जो महीने के आखिरी नौ दिनों में हुई खरीदारी की वजह से हुई। उन्होंने कहा कि कर में कटौती केवल त्योहारी सीजन के लिए ही नहीं की गई है। इन कटौतियों का मतलब है कि अधिक संग्रह होगा, जिससे कुछ वापस देने के लिए बेहतर राजकोषीय गुंजाइश होगी। त्योहारी सीजन के बाद भी मांग बनी रहेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जीएसटी में कटौती के कारण खपत में साल दर साल 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि होने की संभावना है, अतिरिक्त 20 लाख करोड़ रुपये की खपत होगी। पिछले वर्ष हमारा जीडीपी 335 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें से 202 लाख करोड़ रुपये उपभोग और 98 लाख करोड़ रुपये निवेश का हिस्सा था। जीएसटी सुधारों के चलते इस वर्ष खपत में 10 फीसदी से अधिक वृद्धि की संभावना है, यानी लगभग 20 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त खपत हो सकती है। वैष्णव ने कहा कि इस नवरात्रि में इलेक्ट्रॉनिक्स की रिकॉर्ड सेल हुई है, पिछले नवरात्रि के मुकाबले में 20-25 फीसदी सेल्स हुई है। बहुत सारी ऐसे वर्ग हैं जैसे 85 इंच टीवी सेल आउट हो गया। बहुत सारे परिवारों ने अपने पुराने टीवी को नए टीवीमें अपग्रेड किया और युवाओं ने पुराने मोइबल को नए फोन से अपग्रेड किया...जीएसटी में सुधार होने से खाने की कीमत कम हो रही है। उन्होंने कहा कि इस साल भारत ने अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात करने में अपने पड़ोसी देश को पीछे छोड़ दिया है। यह हमारे देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कुछ बड़ी कंपनियों का लगभग 20 फीसदी उत्पादन अब भारत में हो रहा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अप्रत्यक्ष कर 140 करोड़ भारतीयों को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। उपभोक्ताओं को अब जीएसटी कटौती के माध्यम से 2.5 लाख करोड़ रुपये का लाभ दिया गया है। कर कटौती के कारण गुणक प्रभाव ने पहले ही अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि मारुती सुजुकी की 1.65 लाख गाड़ियां नवरात्रि के 8 दिनों में बिकी हैं। नवरात्रि के दिनों में महिंद्रा की बिक्री 60 फीसदी तक बढ़ी है।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे सप्ताह रही तेजी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने लगातार तीसरे सप्ताह तेजी का रुख बरकरार रखा। सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों प्रमुख सूचकांकों ने चार महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त दर्ज की। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की वापसी, घरेलू निवेशकों (डीआईआई) का लगातार समर्थन, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें इस रैली के मुख्य कारण रहे। लांकि, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव, अमेरिकी सरकार के संभावित शटडाउन और वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र में छाई अनिश्चितता के चलते निवेशक कुछ हद तक

सतर्क भी नजर आए। बावजूद इसके, भारतीय बाजार में खरीदारी का दबदबा बना रहा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को गिरावट के साथ हुई, जब सेंसेक्स 451 अंक टूटकर 82,327 पर और निफ्टी 58 अंक गिरकर 25,227 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी गिरावट जारी रही, सेंसेक्स 297 अंक गिरा और निफ्टी 81 अंक फिसल गया। बुधवार से बाजार ने तेजी पकड़नी शुरू की। सेंसेक्स 575 अंक की बढ़त के साथ 82,605 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 178 अंक चढ़कर 25,323 पर पहुंचा। गुरुवार को भी इसी प्रकार की मजबूती देखी गई। शुक्रवार को बाजार ने सप्ताह का समापन मजबूत तरीके से किया। सेंसेक्स 484 अंकों की तेजी के साथ 83,952.19 पर और निफ्टी 124 अंक चढ़कर 25,709.85 पर बंद हुआ। यह साप्ताहिक तेजी संकेत देती है कि भारतीय बाजार में निवेशकों का विश्वास मजबूत बना हुआ है। अब बाजार की नजर अगले सप्ताह आने वाले कॉरपोरेट नतीजों और वैश्विक आर्थिक संकेतकों पर टिकी रहेगी।

इस दीपावली अपनों को उपहार में दीजिए फास्टैग वार्षिक पास : एनएचएआई

नई दिल्ली। दीपावली पर फास्टैग वार्षिक पास एक बेहतरीन त्योहारी उपहार के रूप में किसी को दिया जा सकता है। सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने शनिवार को कहा कि अब राजमार्ग यात्रा ऐप के जरिए किसी को भी फास्टैग वार्षिक पास उपहार में दिया जा सकता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यात्रा को आसान और आरामदायक बनाने वाला, फास्टैग वार्षिक पास इस त्योहारी सीजन में यात्रियों के लिए एक बेहतरीन उपहार हो सकता है, जो उन्हें देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर सालभर की परेशानी मुक्त यात्रा का अवसर प्रदान करता है। मंत्रालय ने कहा कि राजमार्ग यात्रा ऐप के जरिए वार्षिक पास उपहार में दिया जा सकता है। इसके लिए

ऐप पर 'पास जोड़ें' विकल्प पर क्लिक करके, उपयोगकर्ता उस व्यक्ति का वाहन नंबर और संपर्क विवरण जोड़ सकते हैं, जिसे वे फास्टैग वार्षिक पास उपहार में देना चाहते हैं। यह एक साधारण ओटीपी सत्यापन के बाद वार्षिक पास उस वाहन से जुड़े फास्टैग पर सक्रिय हो जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक फास्टैग वार्षिक पास राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को एक सहज और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करता है और यह पूरे भारत में लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर लागू है। वार्षिक पास एक वर्ष की वैधता यानी 200 टोल प्लाजा क्रॉसिंग के लिए 3,000 रुपये के एकमुश्त शुल्क भुगतान के माध्यम से फास्टैग को बार-बार रिचार्ज करने की आवश्यकता को समाप्त करता है। मंत्रालय ने कहा कि यह पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर-व्यावसायिक वाहनों के लिए लागू है। राजमार्ग यात्रा ऐप के माध्यम से एकमुश्त शुल्क का भुगतान करने के बाद, वाहन से जुड़े मौजूदा फास्टैग पर वार्षिक पास दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है। गौरतलब है कि 15 अगस्त, 2025 को लॉन्च किए गए फास्टैग वार्षिक पास ने लॉन्चिंग के दो महीनों के भीतर लगभग 5.67 करोड़ लेनदेन दर्ज करके 25 लाख उपयोगकर्ताओं का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया।

सितंबर में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति में आई कमी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर राहत देने वाली खबर है। खुदरा और थोक महंगाई दर के बाद कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई (मुद्रास्फीति) सितंबर महीने में घटकर क्रमशः शून्य से 0.07 फीसदी नीचे और 0.31 फीसदी रह गई हे। ये अगस्त में क्रमशः 1.07 फीसदी और 1.26 फीसदी रही था। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सितंबर महीने में कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-एएल) 0.11 अंक घटकर 136.23 रह गया। इस दौरान ग्रामीण श्रमिकों का सूचकांक (सीपीआई-आरएल) भी 0.18 अंक घटकर 136.42 के स्तर पर पहुंच गया। अगस्त में सीपीआई-एएल 136.34 अंक और सीपीआई-आरएल 136.60 अंक रहे थे। कृषि मजदूरों के लिए खाद्य सूचकांक में 0.47 अंक और ग्रामीण मजदूरों के लिए 0.58 अंक की कमी आई है। मंत्रालय ने कहा, "सितंबर में खाद्य मुद्रास्फीति कृषि मजदूरों के लिए शून्य से 2.35 फीसदी नीचे और ग्रामीण मजदूरों के लिए शून्य से 1.81 फीसदी नीचे रही है।"

इंडिगो एयरलाइन 30 चौड़े आकार वाले ए350 विमान खरीदेगी

नई दिल्ली। इंडिगो ने शुक्रवार को एयरबस के साथ 30 अतिरिक्त ए350-900 विमान खरीदने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही चौड़े आकार वाले विमानों के लिए उसके कुल ऑर्डर 60 हो गए हैं। एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि उसने एयरबस के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे एयरबस ए350-900 विमानों के उसके 70 खरीद अधिकारों में 30 को निश्चित ऑर्डर में बदलने की पुष्टि हुई है। कंपनी के मुताबिक, "इंडिगो ने अपने चौड़े आकार के विमानों के ऑर्डर को अब 30 से बढ़ाकर 60 एयरबस ए350-900 विमान कर दिया है।" दोनों पक्षों ने जून में इन अतिरिक्त 30 विमानों के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इस समय इंडिगो के पास 400 से अधिक विमानों का बेड़ा है। गौरतलब है कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का विस्तार कर रही है। उसके पास अब 40 और ए350 श्रेणी के विमानों के खरीद अधिकार हैं।

अच्छा...मैंने कुछ नया ट्राई किया : दिलजीत दोसांझ की कुफ़र में मानुषी छिल्लर का बेहद सेक्सी लुक रोमांचित कर रहा है

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर और दिलजीत दोसांझ अपनी नई साझेदारी से पर्दे पर आग लगा रहे हैं। उनका आने वाला म्यूज़िक वीडियो अब तक देखे गए सभी वीडियो से बिल्कुल अलग है, और हाल ही में रिलीज़ हुआ टीज़र उनके साथ मिलकर रचे गए जादू का सबूत है। विज़ुअल्स में दोनों की जबरदस्त केमिस्ट्री, एनर्जेटिक स्क्रीन प्रेज़ेंस और एक ऐसा मेल नज़र आता है जो अप्रत्याशित होते हुए भी तुरंत मन मोह लेता है। दिलजीत दोसांझ के आगामी एल्बम ऑरा के गाने च्कुफ़रज् का टीज़र आज सुबह जारी किया गया, और यह दर्शकों को पूरी तरह प्रभावित कर रहा है। इसमें मानुषी और दिलजीत की यह नई जोड़ी पहली बार साथ नज़र आ रही है, जहाँ मिस वर्ल्ड अपने कलात्मक सफ़र को एक नए दिशा में ले जा रही हैं, जहाँ वैश्विक आकर्षण और स्थानीय आकर्षण का संगम है। यह सहयोग मानुषी के रचनात्मक सफ़र के एक नए पड़ाव का संकेत है, जो हर नए प्रोजेक्ट के साथ विकसित होता जा रहा है। इस गाने के टीज़र में मानुषी की एक बिल्कुल नई झलक दिखाई देती है - एक ऐसा बोल्ड और ग्लैमरस अवतार जो अब तक दर्शकों ने नहीं देखा था। उनकी दमकती इंटेंसिटी को कैद करने वाले आकर्षक क्लोज़-अप से लेकर डेनिम के साथ चमकदार नारंगी रंग के क्रॉप टॉप में उनके अंदाज़ तक, मानुषी हर फ्रेम में ध्यान आकर्षित करती हैं। च्कुफ़रज् के साथ वह ग्लैमर को एक नए स्तर पर ले जाती हैं, जहां वह आत्मविश्वास और बोल्डनेस से भरपूर, दिलजीत के स्वैग से कदम मिलाती नज़र आती हैं। दोनों एक पुराने, मंद रोशनी वाले बार सेट में झूमते दिखाई देते हैं, जहाँ झूमर और विंटेज माहौल पूरे दृश्य को पुरानी यादों की खूबसूरती से भर देते हैं। मानुषी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह टीज़र साझा करते हुए लिखा —खैर... मैंने कुछ नया करने की कोशिश की ? मानुषी और दिलजीत के बीच की केमिस्ट्री, उनके साझा करिश्मे के साथ मिलकर, स्क्रीन पर एक सहज और प्रभावशाली ऊर्जा लाती है। यह प्रस्तुति सिनेमाई भी लगती है और अंतरराष्ट्रीय स्तर की भी। टीज़र में दोनों कई आकर्षक सीन में दिखाई देते हैं, जहाँ मानुषी का ट्रांसफॉर्मेशन पूरी तरह झलकता है। मानुषी के लिए यह सहयोग सिफ़र् एक म्यूज़िक वीडियो नहीं है — यह उनके कलात्मक सफ़र को विविध दिशा देने की कोशिश है, जिससे वे दर्शकों से नए और ऊर्जावान तरीक़ों से जुड़ सकें। जैसे-जैसे टीज़र लगातार चर्चा बटोर रही है, यह इस बात की पुष्टि करता है कि 2025 पहले ही स्पष्ट कर चुका है - मानुषी छिल्लर हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं - रचनात्मक जोखिम उठा रही हैं, दमदार प्रदर्शन कर रही हैं और निडर, फोकस और दृढ़ संकल्प के साथ अपना रास्ता खुद बना रही हैं। 2025 वाकई उनके लिए एक यादगार साल रहा है, जहाँ मानुषी ने मालिक और तेहरान जैसी फिल्मों में अपने प्रशंसित अभिनय से, उन भूमिकाओं को निभाने की अपनी इच्छाशक्ति को उजागर किया है जो उन्हें चुनौती देती हैं और एक कलाकार के रूप में उन्हें विकसित होने का मौका देती हैं। दिलजीत दोसांझ के साथ उनका यह नवीनतम सहयोग भी उसी दिशा में एक और साहसी कदम है। यह गाना 15 अक्टूबर, 2025 को रिलीज़ होगा।

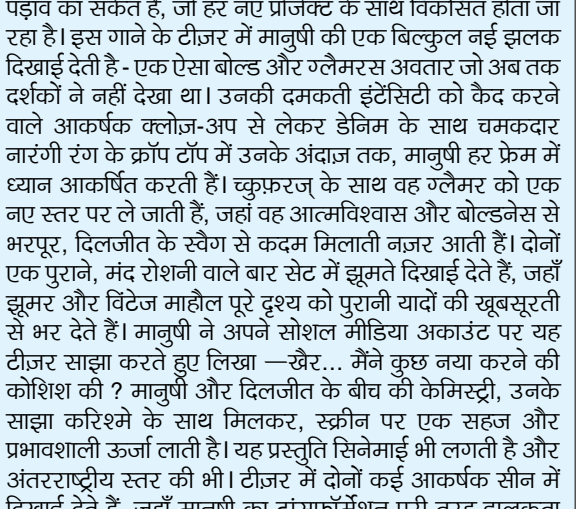

मौनी रॉय का अनस्टॉपेबल 2025 जारी

एक्ट्रेस ने अपनी नई ओटीटी रिलीज़ की शूटिंग शुरू की

2025 के शानदार सफ़र के बाद, मौनी रॉय ने कोई समय ज़ाया नहीं किया है। हाल ही में मिलान फैशन वीक में अपने लुक्स से दुनिया को दीवाना बनाने के बाद, एक्ट्रेस ने अब अपने अगले प्रोजेक्ट — एक ह्रञ्ज वेंचर — की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसकी शूटिंग मुंबई और पंजाब में होगी। मौनी ने सोशल मीडिया पर अपने स्क्रिप्ट की एक धुंधली तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, और अगले प्रोजेक्ट की ओर... प्यार और आशीर्वाद, प्लीज़ एक्स, और यह देख कर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। पिछले साल मौनी ने कई प्लेटफॉर्म्स और फॉर्मैट्स में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से साबित किया कि वे किसी भी रोल में जान डाल सकती हैं। अब वे बिना किसी ब्रेक के एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर तेज़ी से कदम रख रही हैं। उनकी एनर्जी और समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री की सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली प्रतिभाओं में से एक बना दिया है। 2025 मौनी रॉय के लिए बेहद शानदार साल रहा है। उन्होंने 'द भूतोनी और 'सलाकार जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया और एक बार फिर एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। स्क्रीन के अलावा, उन्होंने मिलान फ़ैशन वीक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और एक ग्लोबल फ़ैशन आईटी गर्ल के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनकी आने वाली फ़िल्मों का लाइनअप भी उतनी ही प्रभावशाली हैं - वह जल्द ही कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम 3ष्ठ में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी, मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स में फिर से नज़र आएंगी, और वरुण धवन के साथ 'है जवानी तो इश्क होना है में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। हर प्रोजेक्ट में उनकी प्रतिभा का एक अलग पहलू दिखाई देता है, चाहे वो ड्रामा हो, वॉइस एक्टिंग हो या एनर्जेटिक डांस परफॉर्मेंस। लेकिन शायद मौनी के पहले से ही बिजी शेड्यूल का सबसे रोमांचक हिस्सा है उनका पहला टॉलीवुड डेब्यू — मेगास्टार चिरंजीवी के साथ फिल्म 'विश्वंभरा में। यह कदम उन्हें न सिर्फ एक प्रतिभाशाली बल्कि एक भरोसेमंद स्टार के रूप में और मज़बूत करता है। बॉलीवुड, ओटीटी, रीजनल सिनेमा और यहाँ तक कि एनिमेटेड फ़ीचर्स फिल्म तक फैली प्रोजेक्ट के साथ, मौनी रॉय न केवल व्यस्त हैं, बल्कि वह रणनीतिक रूप से एक शानदार करियर ट्रैजेक्टरी का निर्माण कर रही हैं जो किसी भी इंडस्ट्री और फॉर्मैट तक सीमित नहीं है। अपने नए ह्रञ्ज सफर की शुरुआत के साथ यह साफ़ हो जाता है कि मौनी रॉय अपने करियर के शिखर पर हैं — और 2025 तो बस उस असाधारण अध्याय की शुरुआत है, जो उनकी पहले से ही शानदार यात्रा को और ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

फिल्मफेयर 2025 त्न शाहरुख के अनुरोध पर काजोल ने बीमारी भुलाकर रिक्रिएट किया 90 के दशक का जादू

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 के कार्यक्रम को होस्ट किया। इस दौरान काजोल और किंग खान अपनी फिल्म के एक गाने पर परफॉर्म करते दिखे, दोनों ने मिलकर 90 के दशक के रोमांस के जादू को स्टेज पर जीवंत कर दिया। आईएएनएस ने इस अवॉर्ड नाइट को विशेष तौर पर कवर किया। इस दौरान शाहरुख खान ने मंच पर खुलासा किया कि बीमारी से जूझने के बावजूद, काजोल उनके अनुरोध पर अहमदाबाद आईं और मंच पर उनके साथ परफॉर्म करने को तैयार हुईं। यह काजोल की काम के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण को दर्शाता है। फिल्मी सितारों से सजी इस अवॉर्ड नाइट में शाहरुख और काजोल ने अपने हिट गानों 'तुझे देखा तो, 'सूरज हुआ मद्धम, और 'ये लड़का है दीवाना पर डांस किया। वे फिल्म 'डीडीएलजे के आइकॉनिक पोज को भी स्टेज पर दोहराते दिखाई दिए। स्टेज पर शाहरुख नेवी ब्लू सूट में हैंडसम लग रहे थे, जबकि काजोल काली साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। यह परफॉर्मेंस दिल को छू लेने वाले पलों से भरपूर थी, जिसका समापन मंच पर शाहरुख और काजोल के बीच एक गर्मजोशी भरे गले मिलने के साथ हुआ। इसके बाद दोनों कलाकारों के दोस्त और होस्ट करण जौहर ने भी दौड़कर उनको गले लगा लिया। इस शानदार अवॉर्ड

नाइट में कई अन्य हस्तियों ने भी दमदार परफॉर्मेंस दी। सिद्धांत चतुर्वेदी ने दिवंगत अभिनेता शम्मी कपूर को 'चाहे कोई मुझे गाने पर डांस करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेत्री कृति सैनन ने 'हरे रामा हरे कृष्णा गाने पर डांस करते हुए अभिनेत्री जीनत अमान को सलामी दी। वहीं अक्षय कुमार ने अपनी परफॉर्मेंस के बाद नए कलाकारों को कुछ टिप्स भी दी। इस दौरान उन्होंने नए कलाकारों को अनुशासन में रहने का महत्व भी बताया। बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म च्शोलेज् को रिलीज हुए 50 साल पूरे होने का जश्न भी 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 में मनाया गया। इस मौके पर सुपरस्टार शाहरुख खान और मशहूर निर्देशक-प्रोड्यूसर करण जौहर ने फिल्म के दिग्गज निर्देशक रमेश सिप्पी को विशेष सम्मान प्रदान किया। फिल्मफेयर पुरस्कार 2025 का यह कार्यक्रम रविवार को अहमदाबाद के कांकरिया झील स्थित ईकेए एरिना में आयोजित किया गया। पुरस्कार समारोह की मेजबानी शाहरुख खान, मनीष पॉल और करण जौहर ने की।

कुब्रा सैत ने जीता दर्शकों का दिल

एक्ट्रेस ने साबित किया कि ईमानदारी, टैलेंट और 2025 की वर्सटिलिटी का परफेक्ट संगम हैं वो

2025 वाकई कुब्रा सैत के लिए एक यादगार साल साबित हुआ है। शाहिद कपूर की देवा में अहम भूमिका निभाने के बाद, अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2* में अपने मस्तीभरे और एनर्जेटिक अंदाज़ से दर्शकों को एंटरटेन करने वाली कुब्रा ने इस साल रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल में भी शानदार डेब्यू किया। शो में उनकी एंट्री ने सबका ध्यान खींच लिया। उनकी ईमानदारी, चार्म और आत्मविश्वास ने उन्हें सीज़न की सबसे एंटरटेनिंग और निडर पर्सनैलिटीज़ में से एक बना दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने काजोल के साथ द ट्रायल: सीज़न 2 में स्क्रीन शेयर की, जिससे उन्होंने एक बार फिर ये साबित कर दिया कि वो ड्रामा, ह्यूमर और रियलिज़्म के बीच बखूबी संतुलन बना सकती हैं। वाकई, 2025 कुब्रा के करियर का सुनहरा साल रहा है। हाल ही में कुब्रा सैत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक चे्श्चन एंड आंसर (क्त&र) सेशन रखा। सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा, आप इतनी अच्छी कॉमेडी और सीरियस रोल दोनों कैसे निभा लेती हैं?इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, कॉमेडी या सीरियस रोल अच्छा तभी बनता है जब स्क्रिप्ट अच्छी हो, तोज् एक और फैन ने पूछा, ट्रायल में आपका एक्सपीरियंस कैसा रहा? वैसे, आप मेरी फेवरेट एक्टर हैं ? कुब्रा ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ओह थैंक यू! ये मेरा पहला दूसरा सीज़न था। बहुत मज़ा आया! एक अन्य फैन ने कुब्रा के मल्टी-फेसिटेड टैलेंट की तारीफ़ करते हुए लिखा, आप तो रॉकस्टार हैं! फिल्म्स, ह्रञ्ज, होस्टिंग और अब रियलिटी शो — कैसे मैनेज करती हैं सब कुछ?! कुब्रा ने अपने सिग्नेचर स्टाइल में जवाब दिया, मैं एक वॉल्केनो ऑफ टैलेंट हूं। ? द ट्रायल सीज़न 2 में कुब्रा सैत ने फिर से अपने मशहूर किरदार सना शेख की भूमिका निभाई। पहले सीज़न में इस किरदार को दर्शकों से खूब प्यार मिला था, और दूसरे सीज़न में उन्होंने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से शो में एक नई एनर्जी और डायनमिक्स जोड़ दी। वहीं दूसरी ओर, द ट्रायल सीज़न 2 के अलावा कुब्रा सैत जल्द ही वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ है जवानी तो इश्क होना है में नज़र आने वाली हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपनी डांस परफॉर्मेंस से 70वें फिल्मफेयर अवार्ड्स में लगाया चार चाँद

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के मंच पर अपनी दमदार परफॉर्मेंस से आग लगा दी, जहाँ उन्होंने बॉलीवुड के दिग्गज डांस आइकॉन शम्मी कपूर, जितेन्द्र, मिथुन चक्रवर्ती, गोविंदा, शाहिद कपूर और ऋतिक रोशन को एक शानदार ट्रिब्यूट दिया। अपनी एनर्जी, चार्म और स्टेज प्रेज़ेंस के लिए मशहूर सिद्धांत ने दर्शकों को बॉलीवुड के डांस के सुनहरे दौरों की एक नॉस्टैल्जिक यात्रा पर ले गए। एक स्पेशल कोरियोग्राफ्ड मेडली में उन्होंने इन सभी सितारों के आइकॉनिक सिग्नेचर गानों पर डांस किया, जो हिंदी सिनेमा में डांस की यात्रा और विकास को दर्शाते हैं। उन्होंने शुरुआत की शम्मी कपूर के जोश और करिश्मे से भरे गाने चाहे कोई मुझे जंगली कहे से, जिसमें उनका विंटेज अंदाज़ और एनर्जी देखने लायक थी। इसके बाद उन्होंने जितेन्द्र के सदाबहार

गाने एक आँख मारूं तो पर डांस करते हुए उनका जंपिंग जैक स्टाइल बखूबी पेश किया। मंच तब पूरी तरह 80ह्य के डिस्को वाइब्स में रंग गया जब सिद्धांत ने मिथुन चक्रवर्ती के कल्ट हिट जूली जूली पर धमाकेदार डांस किया। उन्होंने फिर गोविंदा के मज़ेदार अंदाज़ और कॉमिक टाइमिंग को आपके आजाने से के जरिए दोहराया, जिससे दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। आधुनिक युग में प्रवेश करते हुए सिद्धांत ने शाहिद कपूर की यूथफुल एनर्जी को सड्डी गली आजा पर रिक्रिएट किया, और अंत में ऋतिक रोशन के आइकॉनिक दिल ने दिल को पुकारा पर डांस करते हुए शो को शानदार अंदाज़ में खत्म किया — जहाँ उनकी स्मूद मूव्स और फिनेस ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। यह परफॉर्मेंस इसलिए और खास रही क्योंकि यह सिद्धांत चतुर्वेदी का पहला ऑन-स्टेज डांस एक्ट था। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अब तक अपनी किसी फिल्म में डांस सीचे्ंस नहीं किया है, फिर भी उन्होंने हर स्टेप को इतनी सहजता, एनर्जी और कॉन्फिडेंस से निभाया कि यह यकीन करना मुश्किल था कि यह उनका डेब्यू डांस परफॉर्मेंस है।

भूल भुलैया के 18 साल पूरे, टी-सीरीज ने ताजा की यादें

अक्षय कुमार स्टारर कॉमेडी-हॉरर फिल्म च्भूल भुलैयाज् को 18 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर टी-सीरीज ने पोस्ट कर फिल्म की पुरानी यादों को ताजा किया। टी-सीरीज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के यादगार सीन पोस्ट किए, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मंजुलिका के 18 साल! इस फिल्म ने हॉरर को हंसी-मजाक के साथ पेश कर दर्शकों का दिल जीता। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2007 में रिलीज हुई थी और आज भी दर्शकों की पसंदीदा है। च्भूल भुलैयाज् में अक्षय कुमार, विद्या बालन, शाइनी आहूजा और अमीषा पटेल मुख्य भूमिकाओं में थे। वहीं, परेश रावल, राजपाल यादव, मनोज जोशी, असरानी और विक्रम गोखले जैसे सितारों ने सहायक भूमिकाएं निभाईं। फिल्म का संगीत प्रीतम और रंजीत बारोट ने तैयार किया था, जबकि गीत समीर और सईद कादरी ने लिखे थे। भूषण कुमार और किशन कुमार ने इसे प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म ने हॉरर और कॉमेडी के अनूठे

मिश्रण से दर्शकों को खूब हंसाया और डराया था। च्भूल भुलैयाज् की कहानी, इसके किरदार और गाने आज भी लोगों के बीच चर्चा में रहते हैं। मंजुलिका का किरदार और च्हरे रामा हरे कृष्णाज् गाना आज भी फैंस के दिलों में बसते हैं। यह फिल्म 1993 की मलयालम ब्लॉकबस्टर च्मणिचित्रथाझुज् की रीमेक थी। इस फिल्म का जादू इतना जबरदस्त था कि इसे तीन भाषाओं में भी रीमेक किया गया था। कन्नड़ में च्अप्थमित्रज् (2004), तमिल में च्चंद्रमुखीज् (2005), और बंगाली में च्राजमोहोलज् (2005) बनीं और सभी ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। च्भूल भुलैयाज् की सफलता के बाद इसके दो सीक्वल भी बने। 2022 में अनीज बज्मी के निर्देशन में च्भूल भुलैया 2ज् रिलीज हुई थी, जिसमें कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी मुख्य भूमिकाओं में थे। 2024 में च्भूल भुलैया 3ज् आई, जिसमें कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित ने अभिनय किया था।

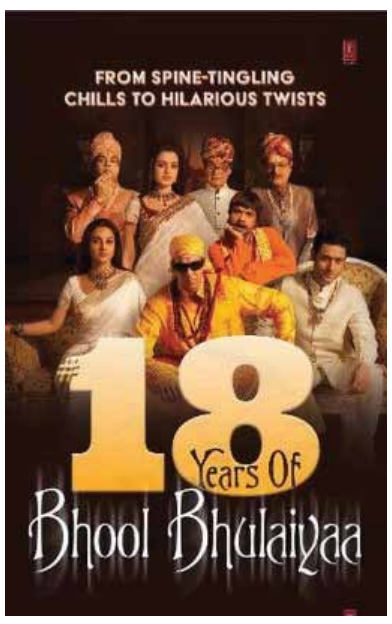

Brief news

Record Footfall at Mangal bazar Satellite Hospital in Five Months

RAJ KUMAR SHARMA

JHARSUGUDA: The newly operational Mangal bazar Satellite Hospital in Jharsuguda has achieved a remarkable milestone by treating a record number of patients within just five months of its reopening. According to official data, the hospital has provided outpatient services to 46,553 patients and inpatient care to 477 patients during this period.

Monthly figures show that 8,852 OPD and 72 indoor patients were treated in June, 10,577 and 113 in July, 13,500 and 166 in August, and 13,446 and 126 in September, respectively.

The hospital, which remained closed after the district headquarters hospital was shifted to Balijuri in 2018, was revived following persistent efforts by Jharsuguda MLA Tankadhar Tripathy. He had long demanded 24-hour health services in Mangal bazar, even staging a protest in 2020.

Fulfilling the BJP's election promise, the hospital was reopened on June 12 this year as a 25-bed facility, upgraded from the initially sanctioned 10 beds. The expansion was supported by Vedanta's CSR funds and includes modern amenities such as 24-hour ambulance service, X-ray and laboratory facilities, and the appointment of key medical staff. Tripathy said the hospital has renewed public confidence in local healthcare and pledged to work towards upgrading it into a 100-bed facility in the near future.

Railways Goes Strict Against Misinformation on Social Media

Railway has decided to take strict action against social media handles sharing misleading videos related to the Railways. During this festive season, some social media handles have been circulating old or misleading videos, creating confusion among passengers. Railway Administration stated that over 20 such social media handles have been identified, and the process of filing FIRs has been initiated. A 24×7 social media monitoring mechanism has been put in place to keep a close watch on such antisocial elements. Railway has appealed to all social media users to refrain from sharing videos of crowds or other incidents at stations without verifying the facts. Passengers are urged to rely only on official Railway notifications and verified social media handles of Ministry of Railways i.e. @RailMinIndia on X(formerly twitter), Facebook, Instagram, and YouTube for authentic information.

Congress releases list of 40 star campaigners, names of Rahul, Sonia Gandhi and Kharge included

Patna: Congress has released the list of its star campaigners for Bihar elections. The list includes party's national president Mallikarjun Kharge, MPs Rahul Gandhi, Sonia Gandhi, and Priyanka Gandhi Vadra, besides the chief ministers and deputy chief ministers of Congress-ruled states and state presidents of various states. Bihar Congress media department chairman Rajesh Rathod said that Congress has released the list of its 40 star campaigners for the first phase of Bihar elections. It was told by Bihar Congress that KC is included in the list of campaigners. Venugopal, Sukhwinder Singh Sukhu, Ashok Gehlot, Bhupesh Baghel, Digvijay Singh, Adhir Ranjan Chowdhury, Meira Kumar, Krishna Allavaru, Sachin Pilot, Randeep Singh Surjewala, Syed Nasir Hussain, Charanjit Singh Channi, Gaurav Gogoi, Tariq Anwar, Dr. Mohammad Javed, Akhilesh Prasad Singh, Manoj Ram, Alka Lamba, Kanhaiya Kumar, Pawan Khera, Imran Pratapgarhi, Shakeel Ahmed, Jitu Patwari, Sukhdev Bhagat, Rajesh Kumar Ram, Shakeel Ahmed Khan, Madan Mohan Jha, Ajay Rai, Jignesh Mevani, Ranjeet Ranjan, Rajesh Ranjan alias Pappu Yadav, Anil Jaihind, Rajendra Pal Gautam, Furkan Ansari, Uday Bhanu Chib, and Subodh Kant Sahay have been included.

Disproportionate assets case: Gold worth Rs 72 lakh found in associate professor's locker

Jaipur: In a major action under Operation Bhudev, the Jaipur unit of the Anti-Corruption Bureau (ACB) conducted a search of the bank locker of Ram Avtar Meena, Associate Professor at the Indira Gandhi Panchayati Raj and Rural Development Institute (IGPRV), Jaipur, in connection with a disproportionate assets case. During the search, 560 grams of gold was recovered, estimated to be worth approximately 7.2 million (approximately $1.7 million). Smita Srivastava, Additional Director General of Police, Anti-Corruption Bureau, stated that searches were conducted at various locations of Ram Avtar Meena under case number 270/2025 (disproportionate assets) registered against him. A locker key was recovered during the search. Today, October 17, 2025, the ACB Jaipur City First Unit searched a locker located at the Indira Gandhi Nagar branch of the State Bank of India (SBI). The 560 grams of gold recovered from the locker was valued at 7.2 million (approximately $1.7 million). The ACB official said that the valuation of a house under construction belonging to Ramavatar Meena is also being conducted, which is likely to uncover more benami properties.

Record Footfall at Mangal bazar Satellite Hospital in Five Months

RAJ KUMAR SHARMA

JHARSUGUDA: The newly operational Mangal bazar Satellite Hospital in Jharsuguda has achieved a remarkable milestone by treating a record number of patients within just five months of its reopening. According to official data, the hospital has provided outpatient services to 46,553 patients and inpatient care to 477 patients during this period.

Monthly figures show that 8,852 OPD and 72 indoor patients were treated in June, 10,577 and 113 in July, 13,500 and 166 in August, and 13,446 and 126 in September, respectively.

The hospital, which remained closed after the district headquarters hospital was shifted to Balijuri in 2018, was revived following persistent efforts by Jharsuguda MLA Tankadhar Tripathy. He had long demanded 24-hour health services in Mangal bazar, even staging a protest in 2020.

Fulfilling the BJP's election promise, the hospital was reopened on June 12 this year as a 25-bed facility, upgraded from the initially sanctioned 10 beds. The expansion was supported by Vedanta's CSR funds and includes modern amenities such as 24-hour ambulance service, X-ray and laboratory facilities, and the appointment of key medical staff.

Tripathy said the hospital has renewed public confidence in local healthcare and pledged to work towards upgrading it into a 100-bed facility in the near future.

Ayodhya will be decorated with 2.6 million lamps, and 2,100 people will perform the grand aarti

AGENCIES

Ayodhya: Grand preparations for the festival of lights are in full swing in Ayodhya. The Guinness World Records team, consisting of approximately 150 members, has arrived in Ayodhya, and this time, the goal is to go beyond repeating history and create a new one. This time, three world records will be set simultaneously in Ayodhya. 35,000 volunteers from Avadh University are preparing to set the record by lighting 2,611,101 lamps. There are also plans to set a record for a mass aarti by 2,100 people, for which the Guinness World Records team is present. The question now arises: how does the Guinness World Records team count each lamp and whether technology is used in this process.

According to Nischal Barul, advisor to the Guinness World Records, three different methods will be used for counting this time. The lamps will be counted using high-tech software, drones, and digital accounting to ensure the exact number of lamps lit. Nischal, a member of the Guinness Book of World Records team, explained that last year approximately 2.5 million lamps were lit. This year, the target is to light 2,611,101 lamps, and 2.9 million lamps will be placed on the banks of Ram Ki Paidi.

A team of 190 people is working day and night for this grand event, and not only the lighting of lamps, but also the Saryu Aarti is set to create history this year. 2,100 people will perform the Saryu Aarti simultaneously, and preparations are underway to record this as well. Special software has been developed for the dry run, which will closely monitor every movement and number. Nischal, a member of the Guinness Book of World Records team, said that we are using three types of technology – dry run, drone, and digital accounting, so that the records are completely transparent and authentic.

This Diwali, a sweet dish broke records, selling for 1.11 lakh per kg

Jaipur : This Diwali, the Jaipur market is witnessing a new experience of royal grandeur and creativity in sweets. This time, the most talked-about sweet is the "Swarna Prasadam" sweet, priced at 1.11 lakh per kg. It is being called the country's most expensive sweet. According to media reports, the sweet aims to combine taste with health and royalty. Pine nuts, saffron, and pure gold ash have been used in this sweet. The glazing on top gives it a golden, jewel-like appearance. Each piece costs around 3,000 and is presented in a jewelry box-like package. Swarna ash is considered an immunity booster in Ayurveda, so this sweet is both delicious and healthy. High-end sweets are available here, including Swarna Bhasma Bharat (1,950 per piece / 85,000 per kg), and Chandi Bhasma Bharat (1,150 per piece / 58,000 per kg). These sweets use exotic ingredients like almonds, pistachios, cashews, figs, blueberries, white chocolate, and salted butter caramel. Traditional sweets like cashew katli, rasmalai, and laddus have also been reinvented. This year, a special Diwali-themed "Pataka Thali" has been prepared, featuring cashew sweets in the shape of a string bomb, pomegranate, chakri, and diya. Swarna Bhasma Rasmalai and dry fruit cakes are also available for health-conscious customers. This Diwali market in Jaipur is offering more than just sweetness, but a fusion of luxury and health.

On completion of one year of the government, AAP National Media Incharge Anurag Dhanda launched a scathing attack on the CM

AGENCIES

Chandigarh: Senior Aam Aadmi Party leader and national media in-charge Anurag Dhanda launched a scathing and direct attack on Chief Minister Naib Singh Saini and former Union Minister Khattar on the completion of one year of the BJP government in Haryana. He said that the government in Haryana is being run not by the people but by the Delhi court. Naib Singh Saini is merely a dummy CM, while the real power and decisions still lie in the hands of Khattar and the BJP high command. This government is being run not for the people of Haryana but for the BJP's political agenda.

Anurag Dhanda said that law and order has completely collapsed during Nayab Singh Saini's one-year rule. The crime statistics themselves bear witness that Haryana is now among the most unsafe states in the country. Crimes against women have risen sharply, conviction rates are declining, and criminals have no fear of the law. The government's focus is not on public safety but on political propaganda. The state's police and administration, instead of protecting the public, are focused on serving BJP leaders and programs.

He said that this government has committed the biggest betrayal of farmers. Grand announcements were made about guaranteeing 24 crops under the MSP, but in reality, farmers were forced to sell paddy in the markets at prices ranging from 700 to 500 below the minimum support price. Delays in gate passes, deductions for moisture and color, and corruption in lifting have broken the back of farmers. The BJP government is not farmer-friendly but business-friendly, and is using farmers as mere electoral pawns.

Anurag Dhanda said that the same old paper schemes from Khattar's time are still being implemented today. The face has changed, but the policy remains the same: false promises, hollow guarantees, and a series of public deceptions. In one year, the government has taken no concrete steps to provide relief to the public. Neither farmers received justice, nor youth employment, nor women security. He said the government's record on education, electricity, and employment is shameful. Thousands of teaching positions are vacant, hundreds of schools are operating with one teacher each, recruitment exams have been marred by paper leaks, and power cuts have spread darkness in rural areas. In the name of development, the government is merely giving speeches, with nothing on the ground.

Tribal traditions remind us that development should be in harmony with nature: President Draupadi Murmu

AGENCIES

New Delhi: President Draupadi Murmu addressed the National Conference on the Adi Karmayogi Abhiyan at a function in New Delhi and presented awards to the best-performing states, districts, blocks, and integrated tribal development agencies. Speaking on the occasion, the President said that this conference reflects our national resolve to make governance truly participatory, inclusive, and based on people's participation. She further stated that the Adi Karmayogi Abhiyan was launched with a transformative vision of making every tribal village self-reliant and a proud village. She underlined that the campaign aims to ensure that tribal communities participate in the nation's development journey and that the benefits of development reach all tribal areas and people. She expressed confidence that the Tribal Action Framework will play a vital role in the development of our tribal people and the nation's progress. The President said that the Adi Karmayogi Abhiyan strengthens the spirit of people's participation by empowering Gram Sabhas and community-led institutions. He said that through meaningful participation of tribal society, national policy can be influenced and schemes can be made more effective. The President said that our tribal communities are an important part of the country's socio-cultural diversity. He said that tribal traditions remind us that development must be in harmony with nature. The President highlighted that in recent years, the Government has taken several concrete steps to ensure the holistic development of tribal communities. He further said that these efforts aim not only to provide financial assistance, but also to provide opportunities for education, health, employment, technical skills, and equal participation in governance. He stated that the government has rapidly expanded infrastructure in tribal areas and established residential schools and scholarship programs to bring tribal youth into the mainstream. He emphasized that skill development and self-employment schemes have given new impetus to traditional crafts, handicrafts, and entrepreneurship. He was pleased to note that these efforts have not only increased livelihood opportunities but also strengthened the self-confidence and self-reliance of tribal people. The President said that in our journey towards a developed India, we must remember that the true progress of the nation and society lies in the development of all sections of society. He further said that we must build an inclusive society, where all citizens participate meaningfully and are able to shape their own destiny.

Congress and SP are following the British policy of divide and rule: CM Yogi

AGENCIES

Lucknow: Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath launched a scathing attack on opposition parties at a state-level workshop organized at the Indira Gandhi Pratishthan in the capital regarding the 150th birth anniversary celebrations of Sardar Vallabhbhai Patel. He said that the Congress, Samajwadi Party, and the Indi alliance are following the British policy of divide and rule. The Chief Minister said that when the country was gaining independence, the British conspired to divide India into many parts. Their aim was to ensure that India would never be united. Regarding the opposition parties, he said that these parties are working to create divisions in society on the basis of caste, sect, and religion, thereby weakening the unity and integrity of the country. However, with his extraordinary vision and strong will, Sardar Vallabhbhai Patel strengthened national unity by merging 563 princely states into the Republic of India. He said that the united India that we see today, from north to south and east to west, is due to Sardar Patel. Therefore, to express gratitude to them, under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, October 31st has been celebrated as National Unity Day every year for the last 11 years. He said that while the opposition is pursuing divisive politics, it is the BJP's responsibility to spread the message of unity and integrity to every village and every assembly. Chief Minister Yogi announced that a "Run for Unity" will be held across the state on October 31st. Following this, an 8- to 10-kilometer-long "Ekta Padyatra" will be organized in every assembly constituency from November 1st to 26th. Retired army personnel, farmers, laborers, BJP affiliates, NSS, NCC, and Scout Guides will all be included. This program should not be a mere formality; instead, every worker must ensure their participation. Everyone from the booth level to the district officials must be active. CM Yogi stated that Constitution Day will be celebrated on November 26th, an occasion to express gratitude to Babasaheb Bhimrao Ambedkar. On this day, five youth from each district will be sent to Delhi, where they will participate in a march through Gujarat. This march will run from November 26th to December 6th, so that youth across the country can draw inspiration from the contributions of both Sardar Patel and Babasaheb Ambedkar. He further stated that India should become a developed nation by 2047; this should be the resolve of every Indian. He appealed to citizens to purchase indigenous products during the festivals.

With clear policy and clean intention, development is taking place at three times the speed in the state: Chief Minister Saini

AGENCIES

Chandigarh: Haryana Chief Minister Nayab Singh Saini stated that the current state government is fully committed to the welfare and all-round upliftment of farmers, the poor, youth, and women. He stated that the government's development policy is clear, its intentions are clear, and under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, development work is progressing at three times the speed in the state. The state government is working with the spirit of "Sabka Saath, Sabka Vikas, and Sabka Vishwas." The Chief Minister was addressing a state-level function organized in Panchkula district to mark the completion of one glorious year of the Haryana government. Assembly Speaker Harvind Kalyan, MLA Shakti Rani Sharma, and former Assembly Speaker Gyan Chand Gupta, along with other dignitaries, were present. The program was broadcast live at district-level events held in all districts, and citizens across the state heard the Chief Minister's message. The deprived Scheduled Castes were given their rights, and participation in government jobs, Panchayat and local body elections was ensured. The Chief Minister said that the Scheduled Castes, which were deprived till now, have been given their rights. This has ensured participation of these castes in government jobs, Panchayat and local body elections. Backward Class-B has been given reservation in Panchayati Raj institutions and urban local bodies. 5 percent reservation has been given for the post of Sarpanch and 50 percent reservation of their population for other posts. Apart from this, the government has given rights certificate of Awa-Pajawa land in 1700 villages to Prajapati community for running the pottery business. Now there will be no hindrance in their work. We have worked to increase the respect of Prajapati community.

He said that the Haryana Village Shamlat Land Act, 1961, has been amended to grant land ownership rights to those who held landholdings prior to the formation of the state. A provision has been made to grant ownership rights to families who have occupied land belonging to panchayats and municipalities for more than 20 years. Under this, any citizen can apply to the Deputy Commissioner for ownership rights at a price one and a half times the collector rate. He said that under the PM Surya Ghar Free Electricity Scheme, a target has been set to install solar systems of up to 2 kilowatts on the rooftops of houses in the state for almost free by March 31, 2027. So far, 37,825 solar systems have been installed under this scheme.

If someone wants to install a 3 kilowatt solar system, an additional subsidy of Rs 18,000 is given for the third 1 kilowatt. In the last 11 years, 1 lakh 61 thousand 837 solar pumps have been installed. Of these, 33,553 solar pumps have been installed in the last one year. The Chief Minister said that under the Dayalu Yojana, financial assistance of Rs 309.67 crore has been provided to 8,299 eligible families with annual incomes up to Rs 1.80 lakh. Additionally, under the Chief Minister's Marriage Gift Scheme, up to Rs 71,000 is given as a gift for the marriage of daughters of poor families.

Farmer welfare is the priority of the government- The Chief Minister said that our government has placed farmers at the center of its policies. Today, all crops in Haryana are procured at MSP. In the last 11 crop seasons, Rs. 1.54 lakh crore has been directly deposited into the accounts of 1.2 lakh farmers. Payment within 48 hours of crop sale is an example of our honest system. Furthermore, to alleviate the financial burden of farmers due to poor rainfall last year, a total of Rs. 1,345 crore was released as a bonus at the rate of Rs. 2,000 per acre for Kharif crops. The government has provided more than Rs. 15,000 crore to farmers in the last 11 years under compensation for crop failure and the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana. He said that by passing the Haryana Agricultural Land Lease Bill, 2024, trust has been restored between tenant farmers and landowners. A law has been enacted providing a five-year sentence for those manufacturing and selling counterfeit fertilizers, seeds, and pesticides. To promote horticulture, the government has implemented the Price Difference Compensation Scheme. Under this scheme, incentives worth 135.37 billion (135.37 billion) were deposited into the bank accounts of approximately 30,000 farmers. An amount of 47.26 billion (6.4 billion) was deposited into the accounts of 2,386 people as compensation for the loss of homes, household goods, and livestock due to floods during the last monsoon season. Meanwhile, 537,000 farmers from 6,397 villages in the state have registered 3.1 million acres of land on the compensation portal. The verification of this area is ongoing.

The compensation will be released to farmers soon after the verification of the land submitted on the compensation portal is expedited. Haryana's government job recruitment transparency model has become an example for the entire country today. The Chief Minister said that Haryana's youth are full of energy and talent. In recognition of their talent, we have introduced revolutionary changes to the recruitment process for government jobs. Interviews have been abolished for Group C and Group D recruitments. Today, our youth can proudly declare that they have secured jobs based on their merit, not on someone's recommendation. Haryana's recruitment transparency model has become an example across the country, and has been praised several times by the Prime Minister himself. The state government has recruited 180,000 youth into government service with complete transparency, and this trend will continue. This includes the recruitment of 33,949 youth in the past year. Recruitment for approximately 17,000 posts is ongoing. This is an example of respect for merit. Additionally, 120,000 youth recruited through the Haryana Skill Employment Corporation have been provided job security. Service security has been provided to contract employees, guest faculty and guest instructors from the Technical Education Department, and extension lecturers and guest professors from colleges.

Under the Mudra Scheme, loans worth over 45,000 crore rupees have been disbursed to 4.2 million youth. The Department of Foreign Cooperation has been established to provide youth with education and employment abroad. He appealed to youth to travel abroad through this department and not fall prey to fraudulent schemes that send them through the "donkey route." We are also helping youth find employment abroad through the Haryana Skill Employment Corporation. So far, 176 youth have been sent abroad. Now, passports are being issued free of charge in their colleges. So far, passports have been issued for approximately 37,000 youth.

SPCB Officials Visit Orissa Metaliks Pvt Ltd, Inaugurate Wheel Washing System

RAJ KUMAR SHARMA

Jharsuguda: The Member Secretary and the Regional Officer of the State Pollution Control Board (SPCB), Odisha, visited Orissa Metaliks Pvt Ltd at Marakuta in Jharsuguda district on Saturday.During their visit, they inaugurated a newly installed wheel washing system and participated in a plantation drive within the plant premises.

The officials appreciated the company's ongoing efforts towards maintaining environmental standards and promoting green initiatives. The wheel washing system is aimed at minimising dust emissions and ensuring cleaner transportation within and outside the plant area.

Senior management members, including Saumit Pal, Ajit Kumar Singh, and other senior officers of Orissa Metaliks Pvt Ltd, were present on the occasion. They reiterated the company's commitment to sustainable industrial practices and environmental protection in line with SPCB guidelines.

The visit underlined the importance of proactive measures by industries to enhance environmental compliance and support Odisha's broader green mission.

Three Held with Firearms, Ammunition in Jharsuguda under 'Operation Netra'

RAJ KUMAR SHARMA

Jharsuguda: In a major breakthrough under Operation Netra, Jharsuguda Police on Saturday arrested three persons involved in illegal arms trading and seized a cache of firearms and ammunition during a raid at Buromal area of the town.

A special team, formed under the direction of Superintendent of Police Gundala Reddy Raghavendra, conducted a swift operation and apprehended the trio while they were attempting to sell firearms at a secluded location.

The accused were identified as Anil Sahu (45) of Purunabasti, Bitu Khatik (33) of Buromal, and Suraj Sonkar (34) of Santinagar, Buromal.

Police seized two country-made pistols, four magazines, six live rounds, a motorcycle, and three mobile phones from their possession. Preliminary investigation revealed that the accused had procured the firearms from Bihar to sell in Jharsuguda for financial gain.

A case has been registered under Sections 25(1)(a)/25(6)/25(8)/35 of the Arms Act read with Section 111(4) of the BNS at Jharsuguda Police Station. Further investigation is underway to trace their associates and the source of the weapons.